Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

गुरुवार | 22 अक्टूबर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 193 | पृष्ठः 58

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010

2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 प्रिंसिपलः विद्यालय की आत्मा को आकार.....

8 एसपी ने मऊदरवाजा थाने.....



तापमान मीटर

लखनऊ	19°	32°
नई दिल्ली	20°	31°
मुंबई	27°	37°
कोलकाता	25°	33°
चेन्नई	26°	31°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 73344.64
निफ्टी 22687.05

सर्राफा बाजार

सोना	1,48,115.00	रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी	2,30,000.00	रुपए प्रति किलो

एक नजर

आर्थिक साझेदारी से मजबूत होंगे भारत और अमेरिकाः मार्को

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारत दौरा दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दौरे के दौरान भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। रूबियो ने दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत बनाने में आर्थिक साझेदारी की अहमियत पर जोर दिया।

फ्रांस के दंगों का भारत से कनेक्शन का दावा

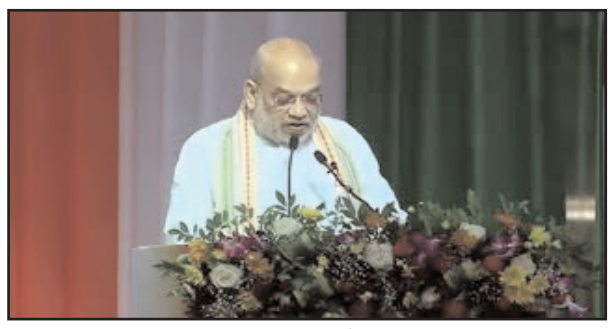
पेरिस। फ्रांस में हुए दंगों और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच कथित संबंध को लेकर एक रिपोर्ट में दावा किया गया है। अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नौ देशों में सक्रिय 101 संगठनों का एक नेटवर्क अलग-अलग जगहों पर होने वाले प्रदर्शनों से जुड़ा हुआ है।

मुर्मू ने माता हासी देवी के सम्मान में जारी किया 200 का स्मारक सिक्का

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में माता हासी देवी के सम्मान में ?200 का स्मारक सिक्का जारी किया। इस सिक्के को जारी करने का उद्देश्य माता हासी देवी के योगदान और उनकी स्मृति को सम्मान देना है। इस अवसर पर जारी किया गया स्मारक सिक्का अपने विशेष डिजाइन और धातुओं के संयोजन के कारण चर्चा में है। स्मारक सिक्के आम तौर पर किसी महत्वपूर्ण व्यक्तित्व, ऐतिहासिक घटना, सांस्कृतिक विरासत या धार्मिक-सामाजिक योगदान को यादगार बनाने के लिए जारी किए जाते हैं। ऐसे सिक्के देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आप घुसपैठियों के वोट बचाना चाहते हैंः अमित शाह

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यमुना की सफाई और जल आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर आयोजित कार्यक्रम में विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने यमुना को साफ करने और जल आपूर्ति व्यवस्था बेहतर बनाने से संबंधित 10 परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जबकि 33 अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने विपक्ष पर मतदाता सूची और घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष घुसपैठियों के वोट बचाना चाहता है। उनके इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया।

अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने भाजपा सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास कार्यों को गति देना और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यमुना की सफाई और पानी की आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं को भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अपने संबोधन में अमित शाह ने भाजपा के भविष्य को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि पार्टी अगले 30 वर्षों तक सत्ता में रहेगी। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो सकती हैं। हालांकि, राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के आरोपों पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं इस बहस को और आगे बढ़ा सकती हैं।

बर्फबारी से पारा -8 डिग्री पहुंचा, केरल में ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, मध्य प्रदेश के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में बुधवार को हुई बर्फबारी के बाद गुरुवार सुबह तापमान गिरकर -8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कड़ाके की ठंड के कारण पानी की पाइपलाइन जम गई है, जिससे स्थानीय लोगों और वहां मौजूद अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठंड बढ़ने के साथ ही धाम में जनजीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं, मौसम विभाग ने उत्तराखंड के चार जिलों में बारिश की संभावना जताई है। पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में गिरावट और बर्फबारी के चलते लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

दूसरी ओर, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में गुरुवार सुबह बारिश के बीच बड़ा रेल हादसा हो गया। परसाला रेलवे स्टेशन के पास भूस्खलन की वजह से बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस का इंजन पटरी से उतर गया। घटना के बाद रेलवे परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। इससे पहले मौसम विभाग ने बुधवार को तिरुवनंतपुरम में बहुत भारी बारिश की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इसके अलावा, 22 से 25 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश के कारण कुछ इलाकों में भूस्खलन और रेल यातायात प्रभावित होने का खतरा बना हुआ है।

मध्य प्रदेश में भी बारिश और तेज हवाओं को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इंदौर, आलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन समेत प्रदेश के 11 जिलों में आज बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम में बदलाव के कारण लोगों को आवागमन के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से खुले स्थानों, पेड़ों और कमजोर ढांचों के आसपास तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश से कुछ क्षेत्रों में दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित हो सकती हैं।

अमित शाह के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

- आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने में योगदान को सराहा

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके नेतृत्व, प्रशासनिक समझ और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमित शाह के प्रयासों से देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिली है। साथ ही, वह नशामुक्त समाज के संकल्प को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में अमित शाह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा देश को नशे की समस्या से मुक्त करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में अमित शाह आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई, नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों पर केंद्र सरकार की नीतियों के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रधानमंत्री की बधाई से एक बार फिर आंतरिक सुरक्षा और नशामुक्त समाज के लक्ष्य को लेकर केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं चर्चा में आई हैं।

अखिलेश-आजम की मुलाकात पर टिकी निगाहें, रुहेलखंड में बदल सकते हैं सियासी समीकरण

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और वरिष्ठ नेता आजम खां की प्रस्तावित मुलाकात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस मुलाकात को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सपा की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

रामपुर और रुहेलखंड क्षेत्र में आजम खां का लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में अखिलेश यादव के साथ उनकी मुलाकात से पार्टी के संगठन, स्थानीय नेतृत्व और चुनावी तैयारियों को लेकर अहम संदेश मिलने की संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक जानकारों की नजर इस बात पर भी है कि सपा इस मुलाकात के जरिए अपने समर्थकों और मतदाताओं के बीच किस तरह का संदेश देती है। माना जा रहा है कि रुहेलखंड में पार्टी की रणनीति और आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

अब सभी की निगाहें अखिलेश यादव और आजम खां की प्रस्तावित मुलाकात पर टिकी हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मुलाकात के बाद सपा की राजनीतिक रणनीति में कोई बदलाव होता है या नहीं और इसका रुहेलखंड की राजनीति पर कितना असर पड़ता है।

फ्रांस में भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

- भीड़भाड़ और प्रदर्शन वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



फ्रांस में रह रहे भारतीय नागरिकों और वहां यात्रा करने वाले लोगों के लिए भारतीय दूतावास की ओर से सतर्कता बरतने की सलाह जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों से भीड़भाड़ वाली जगहों और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की गई है।

बताई गई सलाह के अनुसार, भारतीय नागरिकों को अपने आसपास की परिस्थितियों पर नजर रखने और अनावश्यक रूप से संवेदनशील इलाकों में जाने से बचने को कहा गया है। किसी भी आपात स्थिति में भारतीय दूतावास से संपर्क करने की सलाह भी दी गई है।

फ्रांस में रहने वाले भारतीय नागरिकों को स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है।

भारत-पोलैंड की बड़ी रणनीतिः 10 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी बढ़ेगा सहयोग

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, तकनीक और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारत और पोलैंड का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा करीब 6 अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत करने के लिए भारत-पोलैंड बिजनेस फोरम को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मंच के जरिए दोनों देशों के कारोबारी निवेश, व्यापार और नई साझेदारियों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। भारत चाहता है कि यूरोपीय बाजारों के साथ उसके आर्थिक संबंध और मजबूत हों, जबकि पोलैंड के लिए भारतीय बाजार में विस्तार के अवसर महत्वपूर्ण हैं।

रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग भी इस यात्रा के प्रमुख मुद्दों में शामिल है। तकनीक, नवाचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने से दोनों देशों को नए अवसर मिल सकते हैं। अपनी यात्रा के दौरान पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के 23 अक्टूबर को बेंगलुरु में आईटी और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े नेताओं से मुलाकात करने का कार्यक्रम भी बताया गया है।

यह यात्रा भारत और पोलैंड के द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। वर्ष 2010 के बाद किसी पोलिश प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा बताई गई है।

राधा और बबिता का यूपी कनेक्शन आया सामने

- सीतापुर और आजमगढ़ की रहने वाली हैं दोनों महिलाएं
- परिवारों ने साजिश के तहत फंसाने का लगाया आरोप

यूथ इंडिया, लखनऊ



अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में गिरफ्तार राधा और बबिता का उत्तर प्रदेश कनेक्शन सामने आने का दावा किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, राधा सीतापुर और बबिता आजमगढ़ की रहने वाली हैं। दोनों पर आरोप है कि वे पिस्टल लेकर अमृतसर से मुंबई पहुंची थीं। मामले में गिरफ्तारी के बाद दोनों की पृष्ठभूमि और कथित भूमिका को लेकर जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि राधा और बबिता नौकरी की तलाश में हरियाणा के सोनीपत पहुंची थीं। इसके बाद उनके अमृतसर से हथियार लेकर मुंबई पहुंचने का आरोप सामने आया है।

मामले में आरोप लगाया गया है कि दोनों महिलाएं पिस्टल लेकर मुंबई पहुंची थीं। जांच में यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि हथियार कहां से हासिल किए गए और कथित घटना में उनकी क्या भूमिका रही। फिलहाल, इन आरोपों को जांच के निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता।

दूसरी ओर, राधा और बबिता के परिवारों ने उन्हें साजिश के तहत फंसाए जाने का आरोप लगाया है। परिवारों के इस दावे और पुलिस की जांच के बीच अब मामले में सामने आने वाले साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे।

इस मामले में दोनों महिलाओं की गिरफ्तारी, हथियारों की बरामदगी और फायरिंग की घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि आधिकारिक पुलिस जानकारी के आधार पर होना जरूरी है। जब तक जांच पूरी नहीं होती और न्यायालय में आरोप साबित नहीं होते, तब तक दोनों को आरोपी के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

फिलहाल, मामले में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और मुंबई के बीच बताए जा रहे संपर्कों की कड़ियों को लेकर जांच पर नजर बनी हुई है।

जबलपुर में दुर्गा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 2 युवकों की मौत, 6 घायल

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। मझौली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात करीब 12 बजे बिजली का करंट लगने से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली निकाली जा रही थी। इसी दौरान हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिर गया। तार की चपेट में आने से वहां मौजूद लोग करंट से प्रभावित हो गए और कई लोग इसकी चपेट में आकर घायल हो गए।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि छह लोगों का इलाज जारी है। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

दुर्गा विसर्जन के दौरान हुए इस हादसे ने बिजली सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी और प्रशासनिक कार्रवाई के बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

हिमाचल के ऊना में बेकाबू ट्रक का कहर, चार वाहनों को मारी टक्कर



यूथ इंडिया, देहरादून

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में ऊना-धर्मशाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। अंब थाना क्षेत्र के कुठियाड़ी में एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में छह लोग घायल हो गए, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, ट्रक ऊना की ओर से आ रहा था। कुठियाड़ी के पास ट्रक ने सबसे पहले एक कार को टक्कर मारी। इसके बाद ट्रक की चपेट में पिकअप वाहन, मोटरसाइकिल और स्कूटी भी आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चार वाहन हादसे का शिकार हो गए।

हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उसे क्षेत्रीय अस्पताल ऊना रेफर किया गया है। अन्य घायलों का भी इलाज कराया जा रहा है।

घटना के बाद सड़क पर यातायात प्रभावित होने की आशंका रही। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई और जांच से जुड़ी आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि ट्रक चालक का नियंत्रण क्यों बिगड़ा और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई।

बेकाबू थार का कहर, 5 लोगों को मारी टक्कर, चालक फरार, गुस्साई भीड़ ने गाड़ी में की तोड़फोड़

यूथ इंडिया, लखनऊ



बुधवार देर रात सड़क हादसे के बाद हंगामा हो गया। एक बस से टक्कर होने के बाद थार अनियंत्रित हो गई और उसने कई बाइक सवारों व पैदल जा रहे लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, थार की बस से टक्कर होने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। इसके बाद गाड़ी सड़क पर जा रहे लोगों और दोपहिया वाहनों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे के बाद थार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए ईंट और डंडों से थार में तोड़फोड़ कर दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की कार्रवाई और फरार चालक की तलाश को लेकर आगे की जानकारी का इंतजार है। पुलिस जांच के बाद ही हादसे की पूरी वजह और चालक के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, घटना ने शहर में सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

जापान से डिपोर्ट किए गए भारतीय पैरा तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख

नईदिल्ली। पैरा एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए जापान गए भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को गंभीर आरोपों के बीच देश वापस भेज दिया गया है। उन पर जापान के नागोया शहर स्थित एक होटल में महिला हाउसकीपिंग कर्मचारी के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। इस घटना ने भारतीय पैरा खेल जगत में हलचल मचा दी है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, यह मामला सोमवार, 19 अक्टूबर को सामने आया था, जबकि शम्स आलम शेख को मंगलवार, 20 अक्टूबर को जापान से डिपोर्ट कर दिया गया। हालांकि, आरोपों से जुड़े सभी तथ्यों और मामले की पूरी कानूनी स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कथित घटना उस समय हुई जब शम्स आलम शेख पैरा एशियन गेम्स में भाग लेने के सिलसिले में जापान में मौजूद थे। नागोया के होटल में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। मामले की जानकारी गुरुवार को सार्वजनिक हुई, जिसके बाद इस घटना को लेकर सवाल उठने लगे। हालांकि, घटना की परिस्थितियों, संबंधित अधिकारियों की जांच और आरोपों के संबंध में किसी अंतिम निष्कर्ष की जानकारी उपलब्ध विवरण में स्पष्ट नहीं है।

100 शहरी निकायों के चुनाव पर रोक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग का बड़ा कदम

आंध्र प्रदेश। 100 शहरी स्थानीय निकायों से जुड़ी चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगाए जाने की खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में कार्रवाई की है। इस फैसले से संबंधित शहरी निकायों में चुनाव की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। आंध्र प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने 13 नगर निगमों और 87 नगरपालिकाओं एवं नगर पंचायतों सहित सभी 100 शहरी स्थानीय निकायों में आगे की चुनावी प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। आयोग ने यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद उठाया है। सुप्रीम कोर्ट में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया था कि कुछ क्षेत्रों में हिंसा, धमकी और कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याओं के कारण उसके उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर सके।

एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, सीएम योगी ने दी बधाई

यूथ इंडिया, कन्नौज

एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी की महिला ङ्घ1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को आप (स्वाति चौधरी) पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है।

प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। वहीं मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है।

योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारों के जरिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाता है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है।

गांवों में खेल मैदानों के विकास और गोरखपुर व वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों के निर्माण से खेल सुविधाओं को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। खेल नीति-2023 के तहत सरकार का जोर प्रतिभा की पहचान, बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने पर है।

फरारी के दौरान पूर्व डीजीपी के बेटे से संपर्क में थी श्रद्धा दुबे

- फेसटाइम बातचीत और हाईप्रोफाइल संपर्कों की जांच पर निगाहें

यूथ इंडिया, लखनऊ



कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में गिरफ्तार श्रद्धा दुबे को लेकर नए सवाल उठ रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि फरारी के दौरान श्रद्धा फेसटाइम के जरिए कई लोगों के संपर्क में थी। एक पूर्व पुलिस महानिदेशक के बेटे से उसके संपर्क में रहने की बात भी सामने आई है।

श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी के बाद अब जांच का अहम पहलू यह है कि 11 दिनों तक फरार रहने के दौरान उसे किन लोगों से मदद मिली और वह लगातार अपने ठिकाने कैसे बदलती रही। उसके मोबाइल फोन, संपर्क सूत्रों और डिजिटल गतिविधियों से जुड़े पहलुओं को लेकर भी चर्चा है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्रद्धा दुबे के संपर्कों में प्रभावशाली लोगों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। कुछ रिपोर्टों में नेताओं, अधिकारियों और अन्य चर्चित व्यक्तियों से संपर्क होने के दावे भी किए गए हैं। इन दावों के बीच पूर्व डीजीपी के बेटे से कथित संपर्क की बात ने मामले को और चर्चा में ला दिया है।

हालांकि, किसी व्यक्ति के मोबाइल में संपर्क नंबर होना अपने आप में अपराध में संलिप्तता या किसी तरह की मदद का प्रमाण नहीं है। यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित लोगों से बातचीत कब हुई, उसका उद्देश्य क्या था और क्या उनका शिवा शर्मा की मौत या श्रद्धा की फरारी से कोई संबंध था। इन सवालों का जवाब जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों से ही मिल सकता है।

श्रद्धा दुबे की फरारी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में फेसटाइम सहित डिजिटल माध्यमों से संपर्क बनाए रखने का उल्लेख किया गया है। बताया गया है कि उसने फरारी के दौरान मोबाइल फोन और संपर्क के तरीकों में बदलाव किया था। हालांकि, पूर्व डीजीपी के बेटे के साथ कथित बातचीत के समय, अवधि और विषय के बारे में कोई पुष्ट आधिकारिक विवरण उपलब्ध नहीं है।

जांच के लिहाज से मोबाइल फोन का तकनीकी परीक्षण, उपलब्ध कॉल विवरण, डिजिटल साक्ष्य और संबंधित लोगों के बयान महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इनसे यह स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है कि फरारी के दौरान श्रद्धा किन लोगों के संपर्क में थी और क्या किसी ने उसे ठिकाना बदलने, यात्रा करने या पुलिस से बचने में मदद दी थी।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, शिवा शर्मा की मौत के बाद श्रद्धा दुबे करीब 11 दिनों तक पुलिस की पकड़ से बाहर रही। इस दौरान उसके नेपाल जाने, फिर उत्तर प्रदेश लौटने और आगरा के रास्ते नागपुर पहुंचने की जानकारी सामने आई। रिपोर्टों में तीन आईफोन के इस्तेमाल और फेसटाइम के जरिए बातचीत का भी उल्लेख है। 20 अक्टूबर को श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि दुबे और एक चालक को नागपुर से गिरफ्तार किए जाने की खबर सामने आई।

डीसीएम की टक्कर से स्कूली वैन खंदक में पलटी, 13 बच्चे थे सवार

- कई छात्र घायल, दुर्घटना के बाद मची चीख-पुकार
- बचाव अभियान चलाकर बच्चों को बाहर निकाला गया

यूथ इंडिया, जालौन।



जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर कोटरा मोड़ के पास गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में स्कूली बच्चों से भरी वैन खंदक में पलट गई। बताया गया है कि वैन में 13 बच्चे सवार थे। दुर्घटना में कई छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंकुरण प्ले स्कूल, एट की वैन बच्चों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर कोटरा मोड़ के पास एक डीसीएम ने वैन में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंदक में पलट गई। वैन में सवार बच्चों के घायल होने से मौके पर हड़कंप मच गया।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों और मौके पर पहुंचे लोगों ने बचाव कार्य में मदद की। वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला गया। घायल छात्रों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस और संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। फिलहाल, घायल बच्चों की सही संख्या, उनकी स्थिति और दुर्घटना के कारणों को लेकर आधिकारिक पुष्टि सामने आना बाकी है।

स्कूली बच्चों को ले जाने वाले वाहनों की सुरक्षा एक बार फिर चर्चा में है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वाहनों की नियमित जांच, चालकों की सतर्कता और यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है।

सनातन ओलंपियाड में मेधावियों ने मारी बाजी, 30 को होगा सम्मान

उरई (जालौन)। समग्र सनातन फाउंडेशन की ओर से आयोजित सनातन ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। चार अक्टूबर को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, झांसी रोड में आयोजित परीक्षा में 100 विद्यार्थियों के सापेक्ष 92 ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने गणित और विज्ञान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सफल विद्यार्थियों को 30 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। सनातन ओलंपियाड समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं फाउंडेशन के निदेशक अरविंद कुमार स्वर्णकार ने बताया कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद के उद्देश्य से परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें कक्षा तीन से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई थीं।

आचार्य चरक सनातन ओलंपियाड में सोनिका राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12 गणित वर्ग में केशवेंद्र प्रताप सिंह, कक्षा 11 में श्रेया गुप्ता, कक्षा 10 में आर्या गुबरेले, कक्षा नौ में शिवांशु गुप्ता, कक्षा छह से आठ के सीवी रमन ओलंपियाड में देवांश और कक्षा तीन से पांच के आर्यभट्ट ओलंपियाड में हर्ष ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान और मार्गदर्शन के लिए 30 अक्टूबर को दोपहर 3:30 बजे जिला पंचायत परिसर स्थित वीरांगना झलकारी बाई सभागार में इनोवेशन इन मैथमेटिक्स एंड साइंस–सनातन ओलंपियाड एवं विकसित भारत ङ्घ 2047 विषय पर सेमिनार आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी होंगे। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक विवेक यादव और बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, झांसी के प्रोफेसर विनय वर्मा विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देंगे। अरविंद कुमार स्वर्णकार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित-विज्ञान के प्रति रुचि, अनुसंधान की प्रवृत्ति और आत्मविश्वास बढ़ाना है। परीक्षा निशुल्क आयोजित की गई, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों के विद्यार्थी भी इसमें भाग ले सकें। परीक्षा में गणित, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, योग, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान और सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

सनातन ओलंपियाड में मेधावियों ने मारी बाजी, 30 को होगा सम्मान

- गणित-विज्ञान में नवाचार पर सेमिनार, वैज्ञानिक विद्यार्थियों को देंगे करियर मार्गदर्शन

यूथ इंडिया, उरई (जालौन)

समग्र सनातन फाउंडेशन की ओर से आयोजित सनातन ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। चार अक्टूबर को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, झांसी रोड में आयोजित परीक्षा में 100 विद्यार्थियों के सापेक्ष 92 ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने गणित और विज्ञान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सफल विद्यार्थियों को 30 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

सनातन ओलंपियाड समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं फाउंडेशन के निदेशक अरविंद कुमार स्वर्णकार ने बताया कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद के उद्देश्य से परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें कक्षा तीन से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई थीं।

आचार्य चरक सनातन ओलंपियाड में सोनिका राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12 गणित वर्ग में केशवेंद्र प्रताप सिंह, कक्षा 11 में श्रेया गुप्ता, कक्षा 10 में आर्या गुबरेले, कक्षा नौ में शिवांशु गुप्ता, कक्षा छह से आठ के सीवी रमन ओलंपियाड में देवांश और कक्षा तीन से पांच के आर्यभट्ट ओलंपियाड में हर्ष ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान और मार्गदर्शन के लिए 30 अक्टूबर को दोपहर 3:30 बजे जिला पंचायत परिसर स्थित वीरांगना झलकारी बाई सभागार में इनोवेशन इन मैथमेटिक्स एंड साइंस–सनातन ओलंपियाड एवं विकसित भारत ङ्घ 2047 विषय पर सेमिनार आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी होंगे। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक विवेक यादव और बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, झांसी के प्रोफेसर विनय वर्मा विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देंगे। अरविंद कुमार स्वर्णकार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित-विज्ञान के प्रति रुचि, अनुसंधान की प्रवृत्ति और आत्मविश्वास बढ़ाना है। परीक्षा निशुल्क आयोजित की गई, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों के विद्यार्थी भी इसमें भाग ले सकें। परीक्षा में गणित, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, योग, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान और सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

पांचाल महासभा की बैठक में हुई कई मुद्दों पर चर्चा

यूथ इंडिया, उरई (जालौन)



अखिल भारतीय पांचाल महासभा की मासिक बैठक बुधवार को करमेर रोड स्थित पांचाल धर्मशाला में ज्ञानदास पांचाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज के उत्थान, एकता और राजनीतिक भागीदारी पर चर्चा की गई। साथ ही धर्मशाला परिसर में भगवान विश्वकर्मा मंदिर निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी।

महासभा के जिलाध्यक्ष रमाशंकर पांचाल ने कहा कि समाज के विकास के लिए राजनीतिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षा के प्रति जागरूक होने और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कहा कि अशिक्षा और उपेक्षा के कारण पांचाल समाज अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाया है।

महासभा के संस्थापक रमेश पांचाल पत्रकार ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि समाज की पहचान मजबूत करने के लिए सभी लोगों को एकजुट होना होगा। जिला महासचिव कोमेश पांचाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने धर्मशाला परिसर में भगवान विश्वकर्मा मंदिर बनवाने का प्रस्ताव रखा। इस पर उपस्थित लोगों ने सहमति जताई। मंदिर निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के साथ समाज के लोगों से आर्थिक सहयोग जुटाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में सीता रानी को महिला जिलाध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई। इस दौरान समाज के लोगों ने एक-दूसरे को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर दीपक, धर्मेंद्र पांचाल, हरि बाबू पांचाल, रवि तीतरा, बृजेंद्र मोहन पांचाल, श्याम आसरे पांचाल, रामकुमार पांचाल, ठाकुर प्रसाद पांचाल, राजकुमार पांचाल, बिहारीलाल, देव नारायण, रविशंकर, नरेंद्र कुमार पांचाल, विजय मोहन पांचाल, अमित पांचाल और राजू शर्मा सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

रणवीर सिंह सातवीं बार निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित

लम्भुआ, सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा लम्भुआ के त्रैवार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन में शिक्षकों ने एक बार फिर रणवीर सिंह पर भरोसा जताते हुए उन्हें सातवीं बार ब्लॉक अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया। वहीं, ओमप्रकाश कनौजिया को पहली बार ब्लॉक मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन से शिक्षक समुदाय में उत्साह का माहौल रहा। उच्च प्राथमिक विद्यालय लम्भुआ के प्रांगण में आयोजित अधिवेशन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद निर्वाचन पर्यवेक्षक राजीव मिश्रा तथा मतदान अधिकारी श्रीपाल यादव एवं अरविन्द दूबे ने अधिवेशन एवं निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कराई।

साढ़े तीन सौ साल पुरानी परंपरा का साक्षी पांडेबाबा धाम, विजयादशमी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

यूथ इंडिया, सुल्तानपुर

जिले के मोतिगरपुर क्षेत्र में लोकविश्वास, तपस्या और बलिदान की परंपरा से जुड़ा पांडेबाबा ब्रह्म धाम विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहा। ऐतिहासिक मेले के शुभारंभ के साथ ही धाम में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह से ही बाबा के दरबार में माथा टेकने और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करने के लिए लोगों की आवाजाही बनी रही। करीब साढ़े तीन सौ साल पुरानी मान्यताओं से जुड़े इस धाम में हर वर्ष लगने वाला मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था और लोकसंस्कृति का प्रतीक माना जाता है।

जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर स्थित पांडेबाबा धाम का मेला आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। क्वार मास में विजयादशमी के अवसर पर लगने वाला यह तीन दिवसीय मेला वर्षों से चली आ रही परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। मेले में आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। लोग बाबा के दरबार में पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

पांडेबाबा धाम मेले की सबसे विशिष्ट परंपराओं में पशुओं की संख्या के बराबर कौड़ियां चढ़ाना शामिल है। ग्रामीण जीवन में पशुधन के महत्व को दर्शाने वाली इस परंपरा का आज भी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ निर्वहन करते हैं। पशुपालक अपने पशुओं की रक्षा, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना लेकर बाबा के दरबार में कौड़ियां, माला और फूल अर्पित करते हैं। लोकमान्यता है कि बाबा की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और परिवार पर उनकी कृपा बनी रहती है। इसी विश्वास के चलते लोग वर्षों से इस परंपरा का पालन करते आ रहे हैं।

खेती-किसानी से जुड़े इस क्षेत्र में नई धान की फसल चढ़ाने की परंपरा भी मेले का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसान नई फसल बाबा के चरणों में अर्पित कर घर में अन्न-धन की भरपूरता, अच्छी पैदावार और परिवार की समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। यह परंपरा ग्रामीण समाज के कृषि जीवन और धार्मिक आस्था के गहरे संबंध को दर्शाती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही इन मान्यताओं के कारण पांडेबाबा धाम केवल पूजा-अर्चना का स्थल ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

पांडेबाबा धाम का तीन दिवसीय मेला धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सामाजिक मेल-मिलाप का भी अवसर प्रदान करता है। विजयादशमी पर यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु जहां बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद मांगते हैं, वहीं अपनी पारंपरिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों को भी आगे बढ़ाते हैं।

नीलामी समिति, जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद।
नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद न्यायालय परिसर में रखे हुए संलग्न सूची के अनुसार लोहे तथा लकड़ी के निष्प्रयोज्य सामग्री, जहाँ और जैसी स्थिति में है, के आधार पर सार्वजनिक रूप से नीलामी दिनांक 03.11.2026 को सायं 04.30 बजे जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद के प्रांगण में केंद्रीय नाजिर के सामने चबूतरे पर की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी की कार्यवाही में निम्न शर्तों के अनुसार बोली बोल सकते हैं।

नीलामी की शर्तें

1. नीलामी समिति किसी भी बोली को बिना कारण बताये अस्वीकार कर सकती है। अंतिम बोली की स्वीकृति माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा की जायेगी।
2. प्रत्येक बोली बोलने वाले को नीलामी में भाग लेने से पूर्व कृपया 10,000/- (रु0 दस हजार मात्र) नगद जमा करना होगा। नीलामी समाप्त होने पर जिन व्यक्तियों की बोली अस्वीकृत होगी उसकी उक्त धनराशि तुरंत वापस कर दी जायेगी।
3. नीलामी की कार्यवाही में कोई व्यक्ति किसी अन्य की ओर से बोली के लिये तब तक अनुदान नहीं किया जायेगा जब तक बोली लगाने के लिये उपस्थित व्यक्ति ने उस व्यक्ति से जिसकी ओर से वह बोली लगाना चाहता है, प्राधिकार न प्राप्त किया हो। अधिकृत प्रतिनिधि ही उक्त धनराशि जमा करेगा।
4. नीलामी होने वाली निष्प्रयोज्य सामग्री जैसा कि सूची में वर्णित है, का नीलामी की तिथि से दो दिन पूर्व अपरान्ह 01.00 बजे से 03.00 बजे तक जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद के परिसर में देखा जा सकेगा।
5. बोली बोलने वालों का यह उत्तरदायित्व होगा कि बोली से पूर्व निष्प्रयोज्य सामग्री जैसा कि सूची में वर्णित है, का विधिवत निरीक्षण कर लें।
6. जिसकी अंतिम बोली स्वीकार की जायेगी उसे बोली की एक तिहाई धनराशि तुरन्त जमा करनी होगी, यदि बोली बोलने वाले व्यक्ति द्वारा निर्धारित धनराशि तुरन्त जमा नहीं की गई तो बोली निरस्त समझी जायेगी व जमानत जब्त कर ली जायेगी।
7. माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अंतिम बोली की स्वीकृति प्राप्त होने पर अधिक बोली बोलने वाले को एक सप्ताह में शेष धनराशि जमा करनी होगी, अन्यथा बोली निरस्त करके जमा धनराशि जब्त कर ली जायेगी व निष्प्रयोज्य सामग्री को पुनः नीलाम किया जायेगा।
8. निष्प्रयोज्य सामग्री की अंतिम बोली माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा स्वीकृत होने अथवा अंतिम कार्यवाही होने तक, जो भी बाद में हो, होने तक निष्प्रयोज्य सामग्री हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
9. नीलामी समिति द्वारा स्वीकार की गई अंतिम बोली को माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अंतिम रूप से अनुमोदित किया जायेगा।
10. निष्प्रयोज्य सामग्री जहाँ है जैसी है कि स्थिति में नीलाम तथा हस्तगत की जायेगी।
11. नीलाम की गयी निष्प्रयोज्य सामग्री को उच्चतम बोली बोलने वाले को पूर्ण धनराशि का भुगतान करने पर ही निष्प्रयोज्य सामग्री की सुपुर्दगी दी जायेगी।
12. बोली दाता को नियमानुसार निष्प्रयोज्य सामग्री पर लागू ज़स्ञ्ज को अविलम्ब जमा करना होगा।
13. जिस व्यक्ति के पक्ष में नीलामी अंतिम रूप से स्वीकार होगी उस व्यक्ति को निष्प्रयोज्य सामग्री का पूरा मूल्य जमा कर देने के पश्चात तथा शर्त सं0 11 व 12 के पूर्ण होने के पश्चात, तत्काल निष्प्रयोज्य सामग्री को नीलामी स्थल से हटा लेना होगा।
14. निष्प्रयोज्य सामग्री को न्यायालय परिसर से ले जाने में कोई क्षति होती है तो उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व नीलाम खरीददार का होगा।
15. यदि नीलामी की शर्तों के विषय में कोई विवाद उठता है तो माननीय जनपद न्यायाधीश, फर्रुखाबाद द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम व मान्य होगा।
16. नीलामी के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही जनपद फर्रुखाबाद में स्थित सक्षम न्यायालय में ही की जायेगी।

दिनांकः 13.10.2026

(शैलेन्द्र सचान)
अध्यक्ष, नीलामी समिति/
विशेष न्यायाधीश (द0 प्र0 क्षे0),
फर्रुखाबाद।

जनपद न्यायालय परिसर फर्रुखाबाद में विभिन्न स्थानों पर रखे पुराने निष्प्रयोज्य फर्नीचर व अन्य सामानों की नीलामी हेतु सूची-

1. लोहे के फ्रेम की टूटी हुई कुर्सियों की संख्या लगभग- 138
2. लकड़ी की टूटी हुई कुर्सियों की संख्या लगभग- 94
3. टूटी हुई मेजों के फ्रेमों की संख्या- 2
4. टूटी हुई आराम कुर्सी की संख्या- 1
5. टूटे हुये कूलर स्टैण्ड- 14
6. खराब कूलरों की संख्या- 10
7. टूटी हुई डाइस कुर्सियाँ- 12
8. निकले हुये लोहे के फ्रेम के दरवाजों की संख्या- 8
9. निकले हुये लोहे के बड़े गेट के पल्ले- 2
10. टूटी हुई बेंच- 2
11. टूटी हुई साइकिलों की संख्या- 8
12. टूटी हुई लोहे की बिना दरवाजे की अलमारी- 2
13. लोहे के पाइप (1.5 इंच)- 3
14. डाइस पटला- 4
15. टूटे डाइस मेज स्टैण्ड- 4
16. अलमारी के टूटे पल्ले- 2
17. टूटे लकड़ी के दरवाजे- 3 पल्ले
18. टूटे लकड़ी के सिंगल दरवाजे- 28
19. टूटी खिड़की लोहे की सरिया वाली- 5
20. सिंगल चौखट पट्टी- 20
21. लोहे की सरिया- 16
22. लोहे के एंगल- 5
23. छोटे क्षतिग्रस्त सोफे- 10
24. बड़े क्षतिग्रस्त सोफे- 7
25. टूटी गैस कटर मशीन- 1
26. छपाई वाले ठप्पों के बॉक्स- 2
27. पुराने टायर (फोर व्हीलर)- 11
28. पुरानी टूटी हुई बुकसेल्फ- 1
29. बिना दरवाजे की छोटी लोहे की अलमारी- 2
30. लोहे के ड्रिगाइंड- 10
31. टूटा हुआ ड्रिगाइड- 1
32. लोहे की टूटी हुई कैन- 1
33. लकड़ी की कुर्सियों, मेजों आदि के टूटे हुये हत्थे, पाये एवं अन्य भाग

आर0ओ0 सं0: 258977
दिनांकः 21.10.26

(शैलेन्द्र सचान)
अध्यक्ष, नीलामी समिति/
विशेष न्यायाधीश (द0 प्र0 क्षे0),
फर्रुखाबाद।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त, लो0नि0वि0, कन्नौज
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांकः 4707M/39M-K.F.V./2026/P.D.F. **दिनांकः 09.10.2026**

1. महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0/ लाट सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मुल्स व जीएसटी सहित (रु0)	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	नि0ख0, फर्रुखाबाद	प्रकाश नगर से उमरैल सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण का कार्य। (05 वर्ष अनुरक्षण सहित)	110.00	7.50	12 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 24.10.2026 से 31.10.2026 को दोपहर 12ः00 बजे तक उपलब्ध है जो दिनांक 31.10.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 31.10.2026 को दोपहर 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाए प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के पोर्टल चाणक्य के प्रहरी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा।

टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा। निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम व शर्तें http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं0: 258972
दिनांकः 21.10.26

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
फर्रुखाबाद

(सनत गुप्तारिशी)
अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज–फर्रुखाबाद वृत्त
लो0नि0वि0, कन्नौज

चीन की अर्थव्यवस्था में 4.5 फीसदी की वृद्धि

हांगकांग ।

चीन ने सोमवार को जानकारी दी कि जुलाई से सितंबर की तीसरी तिमाही में उसकी अर्थव्यवस्था में पिछले साल के मुकाबले 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमानों से बेहतर और अप्रैल-जून अवधि की 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है। हालांकि, पूरे साल के लिए चीन का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी विकास दर का है, जो पिछले साल की 5 फीसदी वृद्धि से कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2026 के लिए चीन के विकास दर अनुमान को घटाकर 4.5 प्रतिशत किया है, जो बीजिंग के लक्ष्य की निचली सीमा है। घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण रियल एस्टेट बाजार की लंबी मंदी है, लेकिन मजबूत निर्यात ने इस तिमाही में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

हरित शुल्क से महंगी होंगी हवाई यात्राए- मलेशिया एविएशन ग्रुप

टिकाऊ ईंधन की ऊंची लागत व सीमित उपलब्धता बड़ी चुनौती

कुआलालंपुर ।

मलेशिया एयरलाइंस की मूल कंपनी मलेशिया एविएशन ग्रुप के एक प्रमुख अे धिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) की ऊंची लागत की भरपाई के लिए यात्रियों पर हरित शुल्क लगाया जा सकता है। इससे हवाई टिकटों की कीमतें बढ़ेंगी। यह टिप्पणी तब आई जब वैश्विक विमानन कंपनियां कार्बन उत्सर्जन घटाने और एसएएफ की अत्यधिक लागत तथा सीमित उपलब्धता की चुनौतियों से जूझ रही हैं। नसरुद्दीन ने जोर दिया कि लागत उपभोक्ताओं और एयरलाइंस दोनों के लिए वहनीय होनी चाहिए। उन्होंने नियामकों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं व एयरलाइंस से एसएएफ की लागत कम करने का आग्रह किया, क्योंकि पूरी लागत यात्रियों पर डालने से हवाई यात्रा की मांग घट सकती है। सिंगापुर जनवरी 2027 से अनिवार्य हरित विमानन शुल्क लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। विमानन क्षेत्र वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग 2.5 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने 2050 तक शुद्ध कार्बन उत्सर्जन शून्य करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें एसएएफ 65 फीसदी तक सहायक माना जाता है। मलेशिया एयरलाइंस अपने बेड़े का आधुनिकीकरण और एसएएफ का उपयोग कर रही है। हालांकि, हरित शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय सरकार का होगा।

एचडीएफसी बैंक के दमदार नतीजे, ब्रोकरेज ने दी खरीद की सलाह

एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपये का लक्ष्य भाव दिया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत नतीजे घोषित किए हैं, जिसके बाद चार प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने बैंक के शेयर पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने वित्तीय स्थिति में सुधार और नए नेतृत्व में वृद्धि की उम्मीद जताई है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए रहा, जबकि ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हुई। कर्ज और जमा में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, साथ ही कर्ज की गुणवत्ता में सुधार दिखा। एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपए का सबसे अधिक लक्ष्य भाव दिया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 44 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। जेफरीज, मोतीलाल ओसवाल और नुवामा ने भी ऊंचे लक्ष्य दिए हैं।

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स में बंपर उछाल

हाइब्रिड रणनीतियों का दबदबा, निवेशक खातों की संख्या 1.56 लाख के पार

नई दिल्ली ।

भारतीय निवेश बाजार में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) ने पिछले एक साल में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की है। अक्टूबर 2025 में 2,010 करोड़ रुपये की संपत्ति से शुरू होकर, सितंबर 2026 तक इनका एयूएम लगभग 19 गुना बढ़कर 38,287 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी और लचीली निवेश रणनीतियों की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है।

वैल्यूमेट्रिक्स टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में एसआईएफ में 7,578 करोड़ रुपये का निवेश आया और पिछले 12 महीनों में कुल शुद्ध निवेश 37,606 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सेबी ने म्युचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से इन फंडों की शुरुआत की थी। इस दौरान निवेशक खातों (फोलियो) की संख्या भी 1.56 लाख के पार पहुंच गई है, जो पारंपरिक विकल्पों से हटकर निवेशकों की पसंद को दिखाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 876, निफ्टी 257 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

इसी कारण आज एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भारी गिरावट रही जिससे निवेशकों की राशि डूब गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 876.37 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 73,852.90 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 257.20 अंकों से नीचे आकर 22,888.95 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में ही तेजी रही। वहीं अन्य 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं आया ।

दूसरी ओर, निफ्टी की 50 में से केवल 9 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसके अलावा बची हुई सभी 41 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। एसबीआई के शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.85 फीसदी नीचे आये



हैं। सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज अडाणी पोर्ट्स , एलएंडटी और इंडिगो के शेयरों में तेजी रही जबकि, मारुति सुजुकी के शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट , इन्फोसिस , बजाज फाइनेंस , ट्रेंट , एनटीपीसी , एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व , भारती एयरटेल , आईसीआईसीआई बैंक , टाटा स्टील , सन फार्मा, आईटीसी आदि नुकसान परा बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 470.50 अंक गिरकर 74,318 पर आ गया था। वहीं निफ्टी 147.10 अंक गिरकर 22,999.05 पर पहुंच गया।

रुपया नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई ।



विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार के कारोबारी दिन रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में संरचनात्मक हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में सात महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रुपये के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 101.83 पर रहा।

फोनपे ने शेयर मार्केट को फोनपे इन्वेस्ट के रूप में किया रीब्रांड

संपत्ति प्रबंधन सेवाओं का होगा विस्तार, व्यापक उपयोगकर्ता आधार को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोनपे ने सोमवार को अपने निवेश एवं कारोबार मंच शेयर मार्केट को अब फोनपे इन्वेस्ट के रूप में पेश करने की घोषणा की है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, मंच पूरी तरह से फोनपे ब्रांड के तहत आ गया है, जिसका उद्देश्य शोध-आधारित संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अपने एकीकृत वित्तीय प्रणाली (भुगतान, ऋण और बीमा) में शामिल करना है। कंपनी ने बताया कि शेयर मार्केट से फोनपे इन्वेस्ट में यह बदलाव संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाएगा और फोनपे के विशाल तथा विविध उपयोगकर्ता आधार के लिए निवेश करना बेहद आसान बनाएगा। बयान के अनुसार, पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर निवेश से जुड़े लेन-देनों तक सीमित न रहकर, नए निवेशकों का मार्गदर्शन करेगा और अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा। फोनपे के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस कदम को संपत्ति प्रबंधन सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि फोनपे ब्रांड के तहत इस एकीकरण का लक्ष्य सभी भारतीयों के लिए निवेश को सुलभ बनाना है, ठीक उसी तरह जैसे कंपनी ने भारत में भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाया है। उनका उद्देश्य निवेश को सरल, अधिक जानकारीपूर्ण और भरोसेमंद बनाना है, ताकि लोग अपने वित्तीय निर्णयों पर पूरा नियंत्रण रख सकें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव के तहत मौजूदा ब्रोकरेज शुल्क, शुल्क योजनाओं या वार्षिक रखरखाव शुल्क (एएमसी) में कोई परिवर्तन नहीं होगा, जिससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पेंच!

- लाखों आदिवासी परिवारों के लिए आजीविका संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत लाखों आदिवासी परिवारों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुए इस नए कानून में वन अधिकार कानून (एफआरए) के तहत जमीन का पट्टा पाने वाले उन गरीब परिवारों के लिए 50 अतिरिक्त दिनों के विशेष रोजगार को लेकर अनिश्चितता है, जो उन्हें मनरेगा के तहत मिलता था, जिससे उनके कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका है। मनरेगा के पुराने प्रावधानों के तहत, जनवरी 2014 से, एफआरए पट्टाधारक परिवारों को सामान्य 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का काम सुनिश्चित किया जाता था, बशर्ते उनके पास कोई अन्य निजी जमीन न हो। यह विशेष प्रावधान मनरेगा की धारा 3(4) के तहत एक प्रशासनिक आदेश द्वारा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जंगल पर निर्भर अति-गरीब अनुसूचित जनजाति परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और स्थिर करना था।

हालांकि, नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की धारा 5(1) सभी ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। समस्या यह है कि इसकी धारा 5(4) भले ही सरकार को जरूरत के हिसाब से 125 दिन से ज्यादा काम देने का अधिकार देती है, लेकिन इसमें एफआरए पट्टाधारक आदिवासी परिवारों के लिए पहले से मिलने वाले 50 अतिरिक्त दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

हाल ही में एक आरटीआई रिपोर्ट ने भी इस अस्पष्टता की पुष्टि की है, जिससे इन परिवारों के कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका बढ़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नए कानून की धारा 37 (निरसन और बचत) और जनरल क्लॉज एक्ट, 1897 की धारा 6 के आधार पर 2014 का पुराना आदेश जीवित रह सकता है, क्योंकि यह नए कानून के किसी मूल सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इसके बावजूद, सरकारी स्पष्टीकरण के अभाव में, यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये अतिरिक्त 50 दिन 125 दिनों के ऊपर मिलेंगे या नहीं।

इस स्थिति से संविधान के अनुच्छेद 14 (समता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि जो पहले से कमजोर वर्ग था, उन्हें सामान्य लोगों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया गया है, जिससे उनके लिए आजीविका का संकट गहरा सकता है। विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए तत्काल कोई स्पष्ट नीतिगत फैसला या आदेश जारी करने का आग्रह किया है, ताकि लाखों आदिवासी परिवारों की रोजी-रोटी पर बना यह संकट समाप्त हो सके।

कच्चा तेल 5 महीने के उच्च स्तर से फिसला

ब्रेंट लगभग 108 डॉलर ,पश्चिम एशिया में तनाव और टैंकर हमलों से वैश्विक आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की नरमी दर्ज की गई, जिससे आयातक देशों को मामूली राहत मिली। दिसंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.71 प्रतिशत गिरकर 107.98 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, तेल टैंकरों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं अभी भी बरकरार हैं और इस गिरावट को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। यह मामूली गिरावट 18 अक्टूबर को बने पांच महीने के उच्च स्तर से बहुत ज्यादा नीचे नहीं आई है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने सऊदी अरब तट के पास फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हुए और हमलों की जानकारी दी है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का जोखिम है। हालांकि, अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद की है, जिसने बाजार को कुछ स्थिरता प्रदान की। चालू वर्ष में पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 75 प्रतिशत से अधिक बढ़ी हैं, जिससे आपूर्ति अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स में बदलाव किया है, जो 16 अक्टूबर से प्रभावी हैं। सरकारी आदेश के मुताबिक, पेट्रोल निर्यात पर टैक्स 50 पैसे प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल निर्यात पर टैक्स 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 8.50 रुपये प्रति लीटर किया गया है। भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देश के लिए कीमतों में नरमी आयात बिल और घरेलू महंगाई के दबाव को कम करने में सहायक है। हालांकि, मौजूदा उच्च स्तर को देखते हुए इस नरमी को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। भविष्य की कीमतें खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और भू-राजनीतिक हालात पर काफी हद तक निर्भर करेंगी।



लक्जरी घरों की मांग के बीच डीएलएफ 58,000 करोड़ की परियोजनाएं लांच करेगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड अगले दो से तीन वर्षों में 58,000 करोड़ रुपये की बिक्री क्षमता वाली नई आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी निवेशकों और खरीदारों दोनों से मिल रही लग्जरी घरों की मजबूत मांग को भुनाना चाहती है। कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार मध्यम अवधि में लगभग 2.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाएं पेश की जाएंगी। डीएलएफ ने पिछले ढाई वर्षों में 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पेश किया है, जो बाजार में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी मुंबई और गुरुग्राम में विशेष रूप से लग्जरी आवासीय परियोजनाएं पेश करेगी। हाल ही में, गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च की गई द ऑरेवा परियोजना के तहत 172 लग्जरी घर 1,985 करोड़ रुपये में बिक गए, जो इस सेगमेंट में असाधारण मांग को दर्शाता है।

टेक फंड्स में अल्पकालिक उछाल, सतर्क रहें निवेशक

एक हफ्ते में 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न, पर एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक

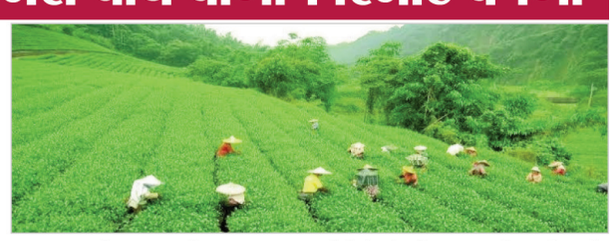
नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच टेक्नोलॉजी सेक्टर के पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने बीते एक हफ्ते (10-16 अक्टूबर 2026) में निवेशकों को 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न दिया है। हालांकि, यह अल्पकालिक तेजी एक चेतावनी भी है, क्योंकि इन स्कीमों का एक साल का रिटर्न अभी भी नकारात्मक है, जो इस क्षेत्र से जुड़े उच्च जोखिम और अस्थिरता को उजागर करता है। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी टेक्नोलॉजी फंड ने इस अवधि में सर्वाधिक 7.71 फीसदी का रिटर्न दिया, पर इसका एक साल का रिटर्न 6.78 फीसदी नकारात्मक रहा। इसी तरह, टाटा डिजिटल इंडिया फंड ने एक हफ्ते में 7.25 फीसदी कमाया, जबकि एक साल का रिटर्न 9.01 फीसदी ऋणात्मक है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल टेक्नोलॉजी फंड ने भी 6.70 फीसदी की बढ़त दर्ज की, पर एक साल में यह 5.73 फीसदी नीचे रहा। आदित्य बिड़ला सन लाइफ डिजिटल इंडिया फंड (5.75 फीसदी) और फ्रैंकलिन इंडिया टेक्नोलॉजी फंड (5.68 फीसदी) ने भी सप्ताह भर में अच्छा रिटर्न दिया, लेकिन इनका एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक रहा। सभी फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। यह दर्शाता है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर में अल्पकालिक लाभ आकर्षक हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि के निवेश में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

दार्जिलिंग में 110 करोड़ का लक्जरी चाय बागान रिजॉर्ट बनेगा

कोलकाता

जेके अर्बनस्केप्स डेवलपर्सलिमिटेड दार्जिलिंग में एक भव्य लक्जरी रिजॉर्ट विकसित करने के लिए वैश्विक आतिथ्य समूह माइनर होटल्स के साथ साझेदारी में 110 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। अनंतारा रिट्रीट दार्जिलिंग हिल्स नामक यह 70 कमरों वाली परियोजना 2031 में मेहमानों के लिए खुलने की उम्मीद है, जो भारत में अनंतारा रिट्रीट्स ब्रांड की शुरुआत करेगी। यह रिजॉर्ट 849 एकड़ में फैले प्रतिष्ठित तिनधारिया चाय बागान में विकसित किया जाएगा, जिसमें 35 स्वीट और 35 टेंट विला शामिल होंगे। जेके अर्बनस्केप्स यह निवेश कौशल कुंभट के साथ साझेदारी में कर रही है। चाय बागानों में आतिथ्य परियोजनाओं की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाते हुए, यह पहल पर्यटकों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और चाय



उत्पादन की समृद्ध विरासत का अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी। जेके अर्बनस्केप्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे एक लक्जरी पर्यटन स्थल बताया, जबकि माइनर इंटरनेशनल के सीईओ दिलीप राजकरियर ने इसे स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा चाय केंद्रित गतिविधियों के साथ जोड़ने पर जोर दिया। यह परियोजना चाय कारोबार को अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्रदान करेगी।

इस सप्ताह खुलेंगे तीन एनएफओ, मात्र 100 रुपए से करें शुरुआत

नवी, सैमको और व्हॉइस ला रहे इक्विटी व हाइब्रिड

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अक्टूबर का यह सप्ताह नया उत्साह लेकर आया है। इस दौरान तीन नए फंड ऑफर (एनएफओ) खुल रहे हैं, जिनमें नवी, सैमको और व्हॉइस म्युचुअल फंड अपनी इक्विटी और हाइब्रिड योजनाएं ला रहे हैं।

निवेशक मात्र 100 रुपये से इन स्कीम्स में निवेश शुरू कर सकते हैं, जो 19 और 20 अक्टूबर से उपलब्ध होंगी। ये फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर प्रदान करेंगे।

1. नवी मल्टी एसेट ओम्नी एफओएफ (19 अक्टूबर से)ः यह स्कीम इक्विटी, डेट और कमोडिटी जैसे विभिन्न एसेट क्लास में निवेश के माध्यम से पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करने का लक्ष्य रखेगी। बहुत ज्यादा जोखिम वाली यह फंड ऑफ फंड्स स्कीम ऋषभ पटेल मैनेज करेंगे, जिसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है।

2. सैमको इक्विटी सेविंग्स फंड (19 अक्टूबर से)ः यह फंड शेयरों, आर्बिट्राज अवसरों



और डेट व मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश के जरिए लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना चाहता है। कुछ ज्यादा जोखिम वाली यह लॉक-इन मुक्त स्कीम है, पर 30 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड लगेगा।

3. व्हॉइस लार्ज एंड मिडकैप फंड (20 अक्टूबर से)ः यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम मुख्य रूप से लार्ज और मिड कैप शेयरों में निवेश कर लंबी अवधि में निवेशकों की पूंजी बढ़ाने पर केंद्रित है।

बहुत ज्यादा जोखिम वाली इस स्कीम में 365 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड है। निवेश से पहले निवेशकों को स्कीम की रणनीति, जुड़े जोखिमों और शुल्कों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की सलाह दी जाती है।

एयरटेल ने लॉन्च किए सिर्फ कॉल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान

- 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की समय-सीमा का पालन करते हुए तीन नए प्रीपेड प्लान बाजार में उतारे हैं। ये प्लान विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिन्हें केवल कॉलिंग और मैसेजिंग (एसएमएस) की सुविधा चाहिए और वे डेटा के खर्च से बचना चाहते हैं। इन प्लान्स में कोई डेटा शामिल नहीं है, जिससे कम आय वाले और ग्रामीण ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरटेल ने 185 रुपये, 203 रुपये और 206 रुपये के ये प्लान पेश किए हैं, जिनकी वैधता 28 दिन से लेकर एक महीने तक है। 185 रुपये के प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए असीमित कॉलिंग और 300 एसएमएस की सुविधा मिलेगी।

वहीं, 203 रुपये वाला प्लान 30 दिनों के लिए और 206 रुपये वाला प्लान पूरे एक महीने के लिए (28 या 31 दिन) वैध होगा। 300 एसएमएस की सीमा समाप्त होने के बाद, लोकल मैसेज के लिए 1 रुपये और



एसटीडी के लिए 1.5 रुपये का शुल्क लगेगा। इंटरनेट का उपयोग करने पर 50 पैसे प्रति एमबी खर्च होंगे।

यह कदम ट्राई द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें सभी टेलीकॉम कंपनियों को केवल वॉइस और एसएमएस वाले प्लान पेश करने को कहा गया था। ट्राई ने यह निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों, कम आय वाले परिवारों और फीचर फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर दिया था, जिन्हें केवल मोबाइल चालू रखने के लिए डेटा वाले महंगे रिचार्ज खरीदने पड़ते थे। एयरटेल ने समय सीमा का पालन किया है, जबकि जियो और वोडाफोन-आइडिया जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों को अभी अपने पैकेज लॉन्च करने बाकी हैं।

सम्पादकीय

भारत-पोलैंड की नई रणनीतिक साझेदारी: व्यापार से रक्षा और अंतरिक्ष तक बदलते रिश्ते



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

भारत और पोलैंड के बीच बढ़ती नजदीकियां केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक आर्थिक और सामरिक परिस्थितियों में नए अवसरों की तलाश का संकेत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय वार्ता ने दोनों देशों के संबंधों को व्यापक आधार देने की संभावनाएं सामने रखी हैं। व्यापार को लगभग 6 अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य इस साझेदारी की आर्थिक महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह लक्ष्य ठोस निवेश, तकनीकी सहयोग और दीर्घकालिक कारोबारी साझेदारी में बदल पाएगा?

भारत आज दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जबकि पोलैंड यूरोप के महत्वपूर्ण औद्योगिक और आर्थिक केंद्रों में अपनी जगह मजबूत कर चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। भारत के लिए पोलैंड यूरोपीय बाजारों तक पहुंच मजबूत करने का माध्यम बन सकता है, वहीं पोलैंड के उद्योगों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी क्षेत्र से लाभ मिल सकता है। हालांकि, व्यापार का आंकड़ा बढ़ाने की घोषणा अपने आप में सफलता की गारंटी नहीं है। इसके लिए बाजार तक पहुंच आसान बनानी होगी, निवेश की बाधाएं दूर करनी होंगी और उद्योगों के बीच दीर्घकालिक समझ विकसित करनी होगी। भारत-पोलैंड बिजनेस फोरम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशर्ते चर्चाएं केवल संभावनाओं तक सीमित न रहें और वास्तविक कारोबारी समझौतों में बदलें।

भारत की विदेश नीति का एक प्रमुख आधार रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका अर्थ है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार विभिन्न देशों के साथ सहयोग विकसित करे और किसी एक साझेदार पर अनावश्यक निर्भरता से बचे।

रक्षा क्षेत्र में पोलैंड के साथ सहयोग इसी व्यापक दृष्टिकोण के अंतर्गत अवसर पैदा कर सकता है। रक्षा तकनीक, औद्योगिक क्षमता, अनुसंधान और उपकरणों के रखरखाव जैसे क्षेत्रों में संभावित साझेदारी दोनों देशों के लिए उपयोगी हो सकती है। हालांकि, रक्षा सहयोग की वास्तविक सफलता घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस परियोजनाओं, तकनीकी हस्तांतरण की शर्तों और दीर्घकालिक औद्योगिक लाभ से तय होगी। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नई साझेदारी से उसकी घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत हो और देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

अंतरिक्ष अनुसंधान, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भारत ने उल्लेखनीय क्षमताएं विकसित की हैं। पोलैंड के साथ सहयोग इन क्षमताओं को यूरोपीय वैज्ञानिक और औद्योगिक नेटवर्क से जोड़ने का अवसर दे सकता है। उपग्रह तकनीक, अंतरिक्ष से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग, औद्योगिक अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं तलाशना दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। बेंगलुरु जैसे तकनीकी केंद्रों से जुड़ाव इस प्रक्रिया को गति दे सकता है। लेकिन यहां भी सफलता का पैमाना स्पष्ट होना चाहिए। संयुक्त अनुसंधान, निवेश, कुशल युवाओं के लिए अवसर और बाजार में उपयोगी तकनीकी उत्पाद ही इस सहयोग को वास्तविक उपलब्धि में बदल सकते हैं।

भारत के लिए यूरोप केवल निर्यात का बाजार नहीं, बल्कि तकनीक, निवेश, शिक्षा, ऊर्जा और औद्योगिक सहयोग का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यूरोपीय देशों के साथ मजबूत संबंध भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। पोलैंड के साथ बढ़ती साझेदारी भारत को मध्य और पूर्वी यूरोप के आर्थिक अवसरों को समझने में मदद कर सकती है। दूसरी ओर, भारत का विशाल बाजार पोलिश कंपनियों के लिए विस्तार का आकर्षक अवसर प्रस्तुत करता है। फिर भी, दोनों देशों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा, व्यापार संबंधी नियमों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेश जोखिमों जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखना होगा। केवल राजनीतिक सद्भावना से आर्थिक लक्ष्य हासिल नहीं होते; उनके लिए निरंतर संस्थागत सहयोग और व्यावसायिक स्पष्टता आवश्यक है। भारत-पोलैंड संबंधों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती घोषित महत्वाकांक्षाओं को मापने योग्य परिणामों में बदलने की है। व्यापार को 10 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के लिए समयबद्ध कार्ययोजना, निवेश के अवसरों की पहचान और उद्योगों के बीच नियमित संवाद आवश्यक होगा।

प्रधान संपादक

अमेरिकी हितों के लिए क्यों महत्वपूर्ण क्यों हो गया है भारत का साथ



डॉ. शैलेश शुक्ला

अमेरिका के लिए भारत के साथ अच्छे संबंधों का महत्व केवल व्यापार, हथियारों की खरीद या राजनीतिक मित्रता तक सीमित नहीं है। बदलती दुनिया में भारत अमेरिका की आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के लिए भी अमेरिका के साथ अच्छे संबंध जरूरी हैं, लेकिन इस साझेदारी का महत्व समझने के लिए यह देखना आवश्यक है कि भारत आज अमेरिकी हितों के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के संबंध किस दिशा में जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का सबसे बड़ा आधार उनके व्यापक आर्थिक हित हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वर्ग, बड़ी संख्या में युवा और लगातार विस्तार करता डिजिटल बाजार मौजूद है। अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत केवल सामान बेचने का बाजार नहीं, बल्कि निवेश, उत्पादन, अनुसंधान और नई सेवाओं के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। विमानन, चिकित्सा उपकरण, कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, ऊर्जा, कृषि तकनीक और औद्योगिक मशीनों जैसे क्षेत्रों में भारत अमेरिकी कंपनियों को बड़े अवसर प्रदान कर सकता है।

भारत की आर्थिक प्रगति अमेरिका के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसी एक बाजार पर अत्यधिक निर्भर रहना कंपनियों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। भारत में निवेश बढ़ाकर अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार कर सकती हैं और एशिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बना सकती हैं। भारत में उत्पादन और सेवाओं का विकास अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकता है। दूसरी ओर, अमेरिकी निवेश से भारत में रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक विकास को गति मिल सकती है। इस प्रकार दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीकी पेशेवर लंबे समय से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। भारतीय मूल के अनेक विशेषज्ञ अमेरिकी विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और बड़ी तकनीकी कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। इस सहयोग से अमेरिका को कुशल प्रतिभा मिलती है, जबकि भारत को रोजगार, निवेश, अनुभव और वैश्विक तकनीकी विकास से जुड़ने के अवसर प्राप्त होते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने इस संबंध को और महत्वपूर्ण बना दिया है। अमेरिका के पास अग्रणी तकनीकी कंपनियां, बड़ी निवेश क्षमता और उन्नत अनुसंधान संस्थान हैं। भारत के पास विशाल डिजिटल बाजार, तकनीकी प्रतिभा, बहुभाषी समाज और बड़े स्तर पर डिजिटल सेवाएं विकसित करने का अनुभव है। यदि दोनों देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक चिप, क्वांटम तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग बढ़ाते हैं, तो उन्हें एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ मिल सकता है।

फरवरी 2025 में भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण तथा उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने के लिए ट्रस्ट पहल की घोषणा की थी। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, क्वांटम तकनीक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों को महत्व दिया गया। इन क्षेत्रों में साझेदारी अमेरिका को विश्वसनीय तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा सकती है। भारत के लिए इससे आधुनिक तकनीक, अनुसंधान, निवेश और घरेलू विनिर्माण के अवसर बढ़ सकते हैं। हालांकि, इस सहयोग की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीक का हस्तांतरण, निवेश और अनुसंधान कितना आगे बढ़ता है।

अमेरिका के लिए भारत का दूसरा बड़ा महत्व सुरक्षा से जुड़ा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति ने अमेरिकी रणनीति को प्रभावित किया है। इस क्षेत्र से दुनिया का बड़ा व्यापार गुजरता है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा की आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय कारोबार की निरंतरता अनेक देशों के लिए आवश्यक है। हिंद महासागर में भारत की भौगोलिक स्थिति और उसकी नौसैनिक क्षमता उसे क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण भागीदार बनाती है। भारत के साथ सहयोग से अमेरिका को समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, समुद्री डकैती की रोकथाम और आतंकवाद के विरुद्ध प्रयासों में सहायता मिल सकती है।

लेकिन भारत को केवल चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के साधन के रूप में देखना अमेरिकी नीति की बड़ी भूल होगी। भारत की अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताएं, आर्थिक प्राथमिकताएं और स्वतंत्र विदेश नीति है। वह किसी एक महाशक्ति के निर्देशों के अनुसार अपने अंतरराष्ट्रीय संबंध तय नहीं करना चाहता। भारत अमेरिका के साथ सहयोग करता है, लेकिन रूस, यूरोप, जापान और अन्य देशों के साथ भी संबंध बनाए रखता है। अमेरिका को भारत की इस स्वतंत्रता का सम्मान करना होगा। मजबूत साझेदारी दबाव से नहीं, बल्कि विश्वास और साझा हितों से बनती है।

रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग के व्यापक अवसर हैं। संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य अधिकारियों के बीच संपर्क और तकनीकी सहयोग ने संबंधों को मजबूत किया है। अमेरिकी रक्षा कंपनियों के लिए भारत एक बड़ा बाजार है, जबकि भारत को आधुनिक तकनीक और उपकरणों से अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने में सहायता मिल सकती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

आरक्षी स्मृति दिवसः शौर्य, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

21 अक्टूबर , यह तिथि भारतीय आरक्षी इतिहास में शौर्य, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की प्रतीक है। इस दिन पूरा राष्ट्र उन वीरों को नमन करता है जिन्होंने खाकी वर्दी पहनकर, अपने प्राणों की चिंता किए बिना, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। इसे आरक्षी स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्र भारत जब अपनी सीमाओं को संभाल ही रहा था कि उत्तर में लद्दाख का दुर्गम क्षेत्र, जहाँ हवा भी कठिनता से पहुँचती है में 20 अक्टूबर 1959 को केंद्रीय आरक्षित बल की तीसरी वाहिनी की एक टुकड़ी को लद्दाख के गरम पानी नामक स्थान पर गश्त के लिए भेजा गया। टुकड़ी में कुल बीस जवान थे।

अगले दिन 21 अक्टूबर को प्रातःकाल जब यह टुकड़ी अपनी निर्धारित चौकी की खोज कर रही थी, तभी चीनी सैनिकों ने पहाड़ी की आड़ से इन पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया। हमारे जवानों के पास साधारण हथियार थे, संख्या कम थी, और शत्रु ऊँची पहाड़ी पर स्थित था। फिर भी, उप निरीक्षक करम सिंह के नेतृत्व में उन दस जवानों ने पीछे हटने से मना कर दिया। उन्होंने अंतिम गोली और अंतिम श्वास तक युद्ध किया। इस भीषण मुठभेड़ में केंद्रीय आरक्षित बल के दस जवान वीरगति को प्राप्त हुए। सात जवान घायल अवस्था में बंदी बना लिए गए, जिन्हें बाद में छोड़ा गया। चीनी पक्ष को भी भारी क्षति उठानी पड़ी।

उस समय तक इस घटना का समाचार देश में बहुत अधिक नहीं फैला, परन्तु जनवरी 1960 में सभी राज्यों के आरक्षी प्रमुखों के सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि 21 अक्टूबर को प्रतिवर्ष शहीद आरक्षी जनों की स्मृति में मनाया जाए। तभी से यह परम्परा निरन्तर चली आ रही है। यह केवल एक घटना नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है।

प्रारम्भ में यह दिवस केवल 1959 के उन दस शहीदों तक सीमित था, परन्तु बाद में इसे व्यापक रूप दिया गया। अब 21 अक्टूबर को उन सभी आरक्षी जनों को श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने गत एक वर्ष - 1 सितम्बर से 31 अगस्त तक - कर्तव्य पालन करते हुए अपने प्राण गंवाए हैं। चाहे वह जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लोहा लेता जवान हो, चाहे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बारूदी सुरंग पर चलता सिपाही हो, चाहे सड़क दुर्घटना में घायलों को बचाता यातायात का सिपाही हो, चाहे बाढ़ में डूबते लोगों को निकालता जवान हो । वर्दी का धर्म एक ही है, राष्ट्र सेवा। आंकड़े हृदय को झकझोर देने वाले हैं। स्वतंत्रता के बाद से अब तक 36 हजार से अधिक आरक्षी जनों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण दिए हैं।

पिछले एक वर्ष में ही लगभग 200 से अधिक जवानों ने बलिदान दिया है। इनमें आरक्षी, मुख्य आरक्षी, उप निरीक्षक, निरीक्षक, राजपत्रित अधिकारी सभी सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय आरक्षी स्मारक; बलिदान का तीर्थ माना जाता है। इस बलिदान को चिरस्थायी बनाने के लिए नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में राष्ट्रीय आरक्षी स्मारक का निर्माण किया गया है। 6.12 एकड़ में फैले इस स्मारक के केंद्र में 30 फीट ऊँची एक शिला है जिसका वजन 238 टन है। यह एक ही चट्टान से बनी है, जो एकता और दृढ़ता की प्रतीक है। इसके चारों ओर 60 हजार 500 शहीदों के नाम अंकित करने की क्षमता वाली दीवार है। हर वर्ष 21 अक्टूबर को यहाँ मुख्य समारोह होता है। सभी केंद्रीय और राज्य आरक्षी बलों के प्रमुख एक साथ आते हैं। शहीदों के नामों का वाचन होता है, शोक धुन बजती है, और पूरे देश में मौन रखा जाता है।

यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को यह बताने का अवसर है कि स्वतंत्रता मुफ्त में नहीं मिली, और शांति भी मुफ्त में नहीं रहती। आज आरक्षी के सामने चुनौतियाँ 1959 से कहीं अधिक जटिल हैं। पहले शत्रु सीमा पर दिखता था, अब शत्रु मोबाइल के भीतर, नशीले पदार्थों के जाल में, साइबर ठगी में, भीड़ की हिंसा में छिपा है। आरक्षी को एक ही दिन में आतंकी, चिकित्सक, परामर्शदाता और यातायात प्रबंधक की भूमिका निभानी पड़ती है। कोविड महामारी में हमने देखा कि जब सभी घरों में बंद थे, तब आरक्षी सड़कों पर था। वह दवा पहुँचा रहा था, प्रवासी श्रमिकों को भोजन करा रहा था, शवों को कंधा दे रहा था। कितने ही जवान इस सेवा में संक्रमित होकर शहीद हो गए।

फिर भी, समाज में आरक्षी की छवि को लेकर कई भ्रांतियाँ हैं। कठोर ड्यूटी, कम वेतन, परिवार से दूरी, पदोन्नति में देरी, मानसिक तनाव ; ये वे पहलू हैं जिन पर चर्चा कम होती है। स्मृति दिवस केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का भी दिन है कि हम अपने आरक्षी जनों को कैसा जीवन दे रहे हैं। उनके बच्चों की शिक्षा, उनके परिवार का स्वास्थ्य, उनके मन का बोझ क्या और कैसे हैं इन पर भी ध्यान देना हमारा कर्तव्य है। अंत में निष्कर्ष यह कि आरक्षी स्मृति दिवस हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सेना से ही सुरक्षित नहीं रहता। भीतर की शांति, कानून का राज, नागरिक का निर्भय होकर चलना भी है और यह सब खाकी वर्दी के कारण ही संभव है। आज जब हम अपने घरों में दीप जलाएँ, तो एक दीया उन अनजान शहीदों के नाम का भी जलाएँ, जिनके नाम हम नहीं जानते, जिनका चेहरा हमने नहीं देखा, पर जिनके कारण हम सुरक्षित हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

संगठन,रणनीति व दृढ़निश्चय के अद्वितीय शिल्पकार अमित शाह

सुरेश पचौरी

देश के यशस्वी गृह मंत्री श्री अमित शाह की भारतीय राजनीति में पहचान एक ऐसे रणनीतिकार की है, जिन्होंने संगठन निर्माण, चुनावी प्रबंधन और राष्ट्रीय नीति निर्धारण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक लंबे अर्से से सामंजस्य बनाते हुए उन्होंने सत्ता और संगठन के बीच ऐसा समन्वय स्थापित किया, जिससे भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक यात्रा को नई दिशा मिली तथा चतुर्दिक व्यापक जनाधार प्राप्त हुआ। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की पहचान उसके पद से आगे बढ़कर उसके निर्णयों, संगठनात्मक क्षमता, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव से निर्मित होती है।

भारतीय राजनीति में श्री अमित शाह की पहचान संगठन निर्माण, चुनावी रणनीति, प्रशासनिक निर्णयों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों से जुड़ी रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विश्वसनीय सहयोगी के रूप में उनकी राजनीतिक यात्रा ने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। संगठनात्मक जिम्मेदारियों से लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण दायित्वों तक का उनका सफर उनकी राजनीतिक कार्यशैली, रणनीतिक सोच और नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं को सामने लाता है।

श्री अमित शाह से मेरी पहली मुलाकात का प्रसंग आज भी स्मृति पटल पर अंकित है। दिल्ली स्थित उनके निवास पर चर्चा के दौरान उनकी स्मरणशक्ति और सामाजिक-राजनीतिक विषयों की गहरी समझ ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उनसे मिलकर मुझे जो सुखद अनुभूति हुई,



उसका सार तत्व यह है कि उनकी कार्यशैली गहन अध्ययन और सुविचारित रणनीति पर आधारित है।

श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह का वैचारिक समन्वय गुजरात से विकसित होकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की उल्लेखनीय सफलता ने श्री अमित शाह को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली चुनावी रणनीतिकार के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद विभिन्न राज्यों में पार्टी के विस्तार और चुनावी अभियानों के प्रबंधन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रही।

गुजरात से शुरू हुई श्री नरेन्द्र मोदी और श्री अमित शाह की बेमिसाल जोड़ी का राजनीतिक समन्वय आज राष्ट्रीय राजनीति में मिसाल बन चुका है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने नेतृत्व कौशल और जनविश्वास से व्यापक राजनीतिक आधार तैयार किया, वहीं दूसरी ओर गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संगठनात्मक विस्तार और चुनावी रणनीति के माध्यम से उसे मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगठन निर्माणः भाजपा के विस्तार की आधारशिला

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अमित शाह ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। सदस्यता अभियान का विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, नियमित जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। पन्ना प्रमुख जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से संगठनात्मक जिम्मेदारियां निर्धारित करने की प्रक्रिया को विशेष महत्व मिला।

उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में भाजपा ने देश के अनेक राज्यों में अपना आधार विस्तृत किया और सदस्यता के लिहाज से विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। यह उपलब्धि व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकर्ता-भागीदारी और निरंतर चुनावी सक्रियता का परिणाम थी और इस दूरदर्शी सोच के उन्नायक श्री अमित शाह थे।

केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में अमित शाह के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और विधायी निर्णय हुए। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रावधानों में बदलाव और जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा। तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगाने वाला कानून तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम भी उनके कार्यकाल के प्रमुख निर्णयों में शामिल हैं। राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

भारत की एकता, अखंडता और अक्षुण्णता की दृष्टि से लिए गए ये महत्वपूर्ण निर्णय श्री अमित शाह के गृहमंत्रित्व काल की प्रमुख उपलब्धियों में हैं। आज हम देख रहे हैं कि मजबूत भारत बनाने की दिशा में ये कदम मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

अंग्रेज़ी से आगे विज्ञानः अपनी मातृभाषा में सीखने का महत्व



डॉ. विजय गर्ग

विज्ञान आधुनिक सभ्यता की नींव है। यह हमें प्रकृति को समझने, ब्रह्मांड का अन्वेषण करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने, तकनीक विकसित करने और दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने में सहायता करता है। लेकिन विज्ञान को पढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा काफी हद तक यह निर्धारित करती है कि विद्यार्थी वैज्ञानिक अवधारणाओं को कितनी आसानी से समझ पाते हैं। भारत सहित अनेक देशों में अंग्रेज़ी को वैज्ञानिक शिक्षा और व्यावसायिक सफलता से जोड़कर देखा जाता है। यद्यपि अंग्रेज़ी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संवाद की एक महत्वपूर्ण भाषा है, फिर भी अपनी मातृभाषा में विज्ञान सीखने से ज्ञान अधिक सुलभ, अर्थपूर्ण और समावेशी बन सकता है।

विज्ञान शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परिभाषाओं, समीकरणों और वैज्ञानिक शब्दावली को याद करना नहीं है। इसका उद्देश्य जिज्ञासा, तार्किक चिंतन, अवलोकन, प्रयोग करने की क्षमता और प्रश्न पूछने की आदत विकसित करना है। जब विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम की भाषा समझने में कठिनाई होती है, तो उनका ध्यान वैज्ञानिक विचारों को समझने के बजाय अपरिचित शब्दों के अर्थ जानने में लग जाता है। परिचित भाषा में विज्ञान पढ़ाने से यह बाधा कम होती है और विद्यार्थी विषय की मूल अवधारणाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

बच्चे विद्यालय जाने से पहले ही अपने आसपास की दुनिया के बारे में सीखना शुरू कर देते हैं। वे वर्षा को देखते हैं, ऋतुओं में होने वाले बदलावों को महसूस करते हैं, पौधों को बढ़ते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि चंद्रमा का आकार बदलता हुआ क्यों दिखाई देता है। इन अनुभवों को सामान्यतः उसी भाषा में समझा और व्यक्त किया जाता है, जो घर में बोली जाती है। जब विज्ञान की शिक्षा इसी परिचित भाषाई आधार पर विकसित होती है, तो जटिल अवधारणाओं को समझना आसान हो जाता है।

उदाहरण के लिए, कपड़ों के सूखने से वाष्पीकरण, ठंडे गिलास की बाहरी सतह पर पानी की बूंदें बनने से संघनन और किसी फल के नीचे गिरने से गुरुत्वाकर्षण को समझाया जा सकता है। जब विद्यार्थी इन अनुभवों पर अपनी समझ की भाषा में चर्चा करते हैं, तो सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बन जाती है। परिचित शब्द कक्षा के ज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ते हैं और बच्चों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

जो विद्यार्थी किसी वैज्ञानिक सिद्धांत को अपनी मातृभाषा में समझ लेता है, वह धीरे-धीरे उसकी औपचारिक शब्दावली अंग्रेज़ी या किसी अन्य भाषा में भी सीख सकता है। पहले अवधारणा की स्पष्ट समझ विकसित होनी चाहिए और उसके बाद तकनीकी शब्दावली को व्यवस्थित ढंग से सिखाया जाना चाहिए।

भारत असाधारण भाषाई विविधता वाला देश है। पंजाबी, हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, मलयालम, कन्नड़, ओड़िया, असमिया और अनेक अन्य भाषाओं में समृद्ध सांस्कृतिक ज्ञान तथा दुनिया को समझने के विशिष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं। इस विविधता को बाधा मानने के बजाय शिक्षा के एक मूल्यवान संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विशेष रूप से विद्यालयी शिक्षा के शुरुआती वर्षों में, जहाँ तक संभव हो, घर की भाषा, मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने पर बल दिया गया है। यह दृष्टिकोण स्वीकार करता है कि बच्चे अक्सर उस भाषा में अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं, जिससे वे परिचित होते हैं।

हालाँकि, इस दृष्टिकोण को लागू करने के लिए सुविचारित योजना आवश्यक है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें, वैज्ञानिक शब्दकोश, प्रयोगशाला पुस्तिकाएँ, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और डिजिटल शैक्षिक सामग्री विकसित की जानी चाहिए। केवल अनुवाद करना पर्याप्त नहीं है। शैक्षिक सामग्री वैज्ञानिक दृष्टि से सटीक, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक तथा विद्यार्थियों की आयु और सीखने के स्तर के अनुरूप होनी चाहिए।

विज्ञान प्रश्न पूछने, तर्क करने और प्रयोग करने से आगे बढ़ता है। विद्यार्थियों में इतना आत्मविश्वास होना चाहिए कि वे पूछ सकें कि कोई रासायनिक अभिक्रिया क्यों होती है, कोई मशीन कैसे काम करती है या किसी वैज्ञानिक दावे के समर्थन में क्या प्रमाण हैं। यदि वे भाषाई गलतियाँ करने से डरते हैं, तो अपने विचार व्यक्त करने में झिझक सकते हैं।

परिचित भाषा में सीखने से कक्षा का वातावरण अधिक सहज बन सकता है। विद्यार्थी अंग्रेज़ी पर अपनी सीमित पकड़ के कारण अनावश्यक रूप से बाधित हुए बिना अपने अवलोकनों पर चर्चा कर सकते हैं, परिकल्पनाएँ समझा सकते हैं और तर्कों की जाँच कर सकते हैं। शिक्षक भी उनकी गलत धारणाओं को आसानी से पहचानकर गहन विचार-विमर्श को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

इसका अर्थ यह नहीं है कि मातृभाषा में शिक्षा देने से अपने आप बेहतर परिणामों की गारंटी मिल जाती है। शिक्षण की गुणवत्ता, प्रयोगात्मक गतिविधियाँ, कक्षा के संसाधन और विद्यार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताएँ भी महत्वपूर्ण हैं। इसका प्रमुख लाभ अनावश्यक भाषाई बाधाओं को कम करना और विषय की समझ को मजबूत बनाना है।

भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा का समर्थन करने का अर्थ अंग्रेज़ी का विरोध करना नहीं होना चाहिए। अंग्रेज़ी अंतरराष्ट्रीय शोधपत्रों, वैज्ञानिक पत्रिकाओं, उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकों, सम्मेलनों और वैश्विक व्यावसायिक अवसरों तक पहुँचने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी परिचित भाषा के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी वैज्ञानिक जानकारी समझने में सक्षम बनाया जाना चाहिए।

द्विभाषी या बहुभाषी शिक्षा इस दिशा में प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकती है। शिक्षक पहले मातृभाषा में किसी अवधारणा को समझा सकते हैं, फिर उससे संबंधित वैज्ञानिक शब्दावली अंग्रेज़ी में बता सकते हैं और विद्यार्थियों को दोनों भाषाओं में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। पाठ्यपुस्तकों में क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेज़ी के समानार्थी वैज्ञानिक शब्द शामिल किए जा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, पंजाबी में प्रकाश संश्लेषण पढ़ने वाला विद्यार्थी पहले इस प्रक्रिया को अपनी भाषा में समझ सकता है और फिर उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक अंग्रेज़ी शब्दावली सीख सकता है। इससे उसकी वैज्ञानिक समझ और अंतरराष्ट्रीय ज्ञान तक पहुँचने की भाषाई क्षमता दोनों विकसित होती हैं।

उद्देश्य विद्यार्थियों के अवसरों को बढ़ाना होना चाहिए, न कि उन्हें किसी एक भाषा तक सीमित करना।

डिजिटल तकनीक विज्ञान की शिक्षा को अनेक भाषाओं में उपलब्ध कराने के नए अवसर प्रदान करती है। ऑनलाइन व्याख्यान, एनिमेशन आधारित स्पष्टीकरण, शैक्षिक ऐप, शोध के अनुवादित सारांश और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित शिक्षण उपकरण विद्यार्थियों को कठिन अवधारणाएँ समझने में सहायता कर सकते हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

आज का राशिफल

मेष राशि। आज कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार में तालमेल बनाए रखें। शुभ रंगः लाल, शुभ अंकः 9

वृषभ राशि। आज धैर्य से काम लेने पर लाभ मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और रिश्तों में बातचीत को महत्व दें। शुभ रंगः सफेद, शुभ अंकः 6

मिथुन राशि। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद हो सकती है। नौकरी और व्यापार में अपने विचार स्पष्ट रखें। जल्दबाजी से बचें। शुभ रंगः हरा, श

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रूखाबाद

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

पत्रांक 1964 / 4ए दिनॉक : 09.10.2026

1– महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग निर्माण में पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

2–

क्र.सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा पत्रक का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (पूर्ण कार्य सहित)	ठेकेदार की पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		रोड सेफटी योजना के अन्तर्गत का कार्य (स्वीकृत)					
1.	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद रोशनाबाद शमशाबाद मार्ग (अन्य जिला मार्ग) पर रोशनाबाद तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	2.20	0.22	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
2.	फर्रूखाबाद	हजियापुर झाँआ शिकारपुर फर्रूखाबाद मार्ग (अन्य जिला मार्ग) पर रमापुर जसू चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	2.60	0.26	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
3.	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर गूजरपुर तिराहा आबादी भाग पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.40	0.54	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में एवं पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
4.	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर परमापुर मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.60	0.46	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
5.	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर राजपुर तिराहा आबादी पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.00	0.50	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी,डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
6	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर अमृतपुर थाना पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.00	0.50	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी,डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
7	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर अमृतपुर आबादी भाग पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.10	0.51	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में एवं पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
8	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर [illegible]	5.00	0.50	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी,डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार
9	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर आई0टी0आई0 तहसील पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.00	0.50	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
10	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर जमापुर डिप किमी0 202 पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.80	0.48	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
11	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर नासा नाला पुल किमी0 198 पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
12	फर्रूखाबाद	मुरादाबाद चन्दौसी बदायूँ फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–43) पर किमी0 194 पुल पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.30	0.33	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
13	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर शमशाबाद चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.60	0.46	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
14	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर खानपुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.90	0.39	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
15	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर फैजबाग चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.90	0.39	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
16	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर बघार नाला पुल मंझना पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.80	0.38	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
17	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर नवाबगंज मेन चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.30	0.53	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
18	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर नवाबगंज बाईपास चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.70	0.47	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
19	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर बासमई मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	6.80	0.68	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
20	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर एस0के0एम0 स्कूल मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.10	0.41	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
21	फर्रूखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद सौरिख बिधूना मार्ग (एस0एच0–163) पर करनपुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.30	0.53	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
22	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर कैनाल पटरी चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.70	0.57	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
23	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर हजियापुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.10	0.51	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
24	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर हरसिंहपुर गोवा चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
25	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर नेकपुर गुमटी तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
26	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर पसियापुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
27	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर पिलखनाकुरार चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	1.70	0.17	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
28	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर साहबगंज नौली चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	1.70	0.17	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
29	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर रूखैया देवरिया चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.70	0.47	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
30	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर बरौन मैलहई मोड चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.20	0.42	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
31	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर बघौना कलौली चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.80	0.38	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
32	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर ग्राम बेग बघार नाला पुल पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.10	0.31	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
33	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर रायपुर हुसैनपुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.90	0.39	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
34	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर सिरमौरा बांगर पुलिया पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.70	0.37	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
35	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर सिरमौरा मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.60	0.36	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
36	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर बबना तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.40	0.34	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
37	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर बीरपुर मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
38	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर उम्मरपुर पियाउ तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
39	फर्रूखाबाद	रूटौल पैथानखुर्द मार्ग (अन्य जिला मार्ग) पर हजरतपुर पुलिया पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	2.20	0.22	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
40	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर रूटौली तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.60	0.56	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
41	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर बिराहिमपुर आबादी पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.60	0.56	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
42	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर ट्रांसपोर्ट चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	6.30	0.63	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
43	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर बेरिया तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	6.30	0.63	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
44	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर दमदमा मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.60	0.56	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
45	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर टेढ़ीकोन चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
46	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर बरझाला तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	3.60	0.36	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
47	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर पपड़ी आबादी भाग पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.30	0.43	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
48	फर्रूखाबाद	एटा अलीगंज कायमगंज फर्रूखाबाद मार्ग (एस0एच0–121) पर घमघमा चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.00	0.40	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
49	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर अटैनाघाट तिराहा/मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.20	0.52	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
50	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर पथरामई मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.30	0.43	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
51	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर इकलहरा आबादी पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.20	0.42	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
52	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर कम्पिल रूदायन तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.80	0.48	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
53	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर कम्पिल चौराहा/आबादी भाग पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.10	0.51	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
54	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर भटासा चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.00	0.50	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
55	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर नहर चौराहा, झब्बूपुर पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.40	0.44	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
56	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर सत्तार नगला नरसिंहपुर चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.40	0.44	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
57	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर चंदुईया चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.40	0.44	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
58	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर लुधईया/इज्जौर तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.40	0.44	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
59	फर्रूखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–097सी) पर अचरा चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.50	0.55	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
60	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर जरारी गठवाया तिराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.40	0.44	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
61	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग–098सी) पर बेहटा मुरलीधर नौगांव चौराहा पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	4.30	0.43	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।
62	फर्रूखाबाद	रूटौली पैथानखुर्द मार्ग (अन्य जिला मार्ग) पर मदारपुर/बराबिकू मोड पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	2.20	0.22	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी के रोड साइनेज में पंजीकृत ठेकेदार ही प्रतिभाग करेंगे।

3–बिड डाक्यूमेंट बेवसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनाकं 23.10.2026 से 28.10.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध जोकि दिनांक 28.10.2026 दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड उसी कार्य दिवस दिनांक 28.10.2026 समय 12.30(अपरान्ह) ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदा से सम्बंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेवसाइड www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड कया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की बेवसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

4– निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है।

आर0ओ0 सं0: 258824
दिनांक: 21.10.26

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
फर्रूखाबाद

एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, सीएम योगी ने दी बधाई

75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर, पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों से प्रतिभाओं को मिल रहा प्रशिक्षण

लखनऊ। एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी की महिला ह1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

स्वाति चौधरी की उपलब्धि पर सीएम योगी ने जताया गर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को आप (स्वाति चौधरी) पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है।

स्पोर्ट्स कॉलेजों और खेल विश्वविद्यालय से मजबूत हुआ प्रशिक्षण ढांचा

प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। वहीं मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है।

पदक पर करोड़ों का पुरस्कार, नौकरी के अवसर

योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारों के जरिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाता है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है।स गांवों में खेल मैदानों के विकास और गोरखपुर व वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों के निर्माण से खेल सुविधाओं को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। खेल नीति-2023 के तहत सरकार का जोर प्रतिभा की पहचान, बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने पर है।

योगी सरकार में निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की तेज पहल, समयबद्ध समाधान पर जोर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने निवेश परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया है। बुधवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निवेशकों की समस्याओं का तय समयस

एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई

युवाओं को सपने साकार करने के लिए प्रेरित करेगी स्वाति की सफलता - मुख्यमंत्री

लखनऊ।
एशियन पैरा गेम्स 2026 में तीरंदाजी की महिला ह1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।



स्वाति चौधरी की उपलब्धि पर सीएम योगी ने जताया गर्व
मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को आप (स्वाति चौधरी) पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है।

स्पोर्ट्स कॉलेजों और खेल विश्वविद्यालय से मजबूत हुआ प्रशिक्षण ढांचा
प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।
खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। वहीं मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है।

पदक पर करोड़ों का पुरस्कार, नौकरी के अवसर
योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारों के जरिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाता है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं।
अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है।
गांवों में खेल मैदानों के विकास और गोरखपुर व वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों के निर्माण से खेल सुविधाओं को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। खेल नीति-2023 के तहत सरकार का जोर प्रतिभा की पहचान, बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने पर है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी: पीलीभीत में एक ही एपिक नंबर पर अलग-अलग नाम, कांग्रेस ने एसआईआर पर उठाए सवाल

पीलीभीत
पीलीभीत सदर विधानसभा की मतदाता सूची में एक ही एपिक नंबर पर अलग-अलग नाम और पिता के नाम दर्ज होने का मामला सामने आया है। जांच में गड़बड़ी की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने दो एसडीएम को मुख्यालय से संबद्ध किया। जांच जारी है।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में एक ही एपिक नंबर पर अलग-अलग नाम और पिता के नाम दर्ज होने का मामला सामने आया है। कांग्रेस की शुरूआती पड़ताल में यह गड़बड़ी सामने आने के बाद मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठने लगे हैं।
जांच के बाद जिला प्रशासन ने एसडीएम पूरनपुर मयंक गोस्वामी और एसडीएम अमरिया हेमंत चौधरी को जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। मतदाता सूची में सामने आई कथित गड़बड़ी और दोनों अधिकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई के बीच



संबंध की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।
कांग्रेस प्रवक्ता एडवोकेट हेमंत मिश्रा के अनुसार, पार्टी ने सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची की नमूने के तौर पर पड़ताल की थी। इसमें एक ही एपिक नंबर पर मतदाता के अलग-अलग नाम और पिता के नाम दर्ज होने का मामला सामने आया। एसआईआर के बाद मतदाता सूची में इस तरह की विसंगति मिलने से गड़बड़ी की आशंका गहरा गई है।

अभी आगे भी हो सकती है कार्रवाई
अब जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि एक ही एपिक नंबर पर अलग-अलग नाम और पिता के नाम दर्ज होने की वजह क्या है। और यह विसंगति किस स्तर पर हुई।

अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी जांच शुरू
कांग्रेस ने सदर विधानसभा क्षेत्र के अलावा जिले की अन्य विधानसभा सीटों की मतदाता सूचियों की भी पड़ताल शुरू कराई है। पार्टी यह पता लगाने में जुटी है कि एसआईआर के बाद कहीं अन्य क्षेत्रों में भी एक ही एपिक नंबर पर अलग-अलग मतदाताओं के नाम या पिता के नाम दर्ज होने जैसी विसंगतियां तो नहीं हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की कार्यशैली पर जिलाधिकारी खफा, लगाई फटकार

मुरादाबाद।
जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में बुधवार शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा वृक्षारोपण से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।
बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डीके गुप्ता की कार्यशैली पर



नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें कड़े निर्देश देते हुए कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में निर्धारित मानकों का प्रभावी ढंग से पालन कराया जाए।
जिलाधिकारी अनुनय झा ने स्पष्ट कहा कि मानकों का अनुपालन करने वाले ईंट-भट्ठों का ही संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी दशा में अवैध ईंट-भट्ठे संचालित नहीं होने चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।
जिलाधिकारी ने अस्पतालों में जैव चिकित्सा अपशिष्ट (बायो मेडिकल वेस्ट) के प्रबंधन एवं निस्तारण की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों में निर्धारित मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। जैव चिकित्सा अपशिष्ट के अनुचित निस्तारण से पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए।

सआरएन अस्पताल में मरीजों को बाहर से दवा-जांच कराने के लिए भेजने पर मंडलायुक्त सख्त

प्रयागराज।
स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर से दवाएं खरीदने और जांच कराने के लिए भेजने की शिकायतों पर मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने बुधवार को हुई बैठक में कड़ी नाराजगी जताई है।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार दवाएं, जांच और उपचार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। अस्पताल में डॉक्टरों एवं



कर्मचारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ स्वच्छता, मरीजों के मार्गदर्शन और आधारभूत सुविधाओं में समयबद्ध सुधार किया जाए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।
एसआरएन अस्पताल के इमरजेंसी और अन्य वार्डों के पूर्व निरीक्षण में सामने आई कमियों की समीक्षा के लिए बुधवार को मंडलायुक्त ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, उप प्राचार्य, एडी हेल्थ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सहायक चिकित्सा अधीक्षक और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ बैठक की।
इसमें अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपस्थिति पर जोर
मंडलायुक्त ने कहा कि ओपीडी और वार्डों में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार सभी चिकित्सकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, पैरामेडिकल कर्मियों और अन्य कर्मचारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए जीपीएस आधारित उपस्थिति के साथ भौतिक उपस्थिति रजिस्टर भी रखा जाए। चिकित्सक निर्धारित एप्रन में रहें और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए लॉकर की व्यवस्था की जाए।

रिसेप्शन पर 24 घंटे मिलेगी मरीजों को मदद
एसआरएन अस्पताल में प्रयागराज के साथ आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। इसे देखते हुए मंडलायुक्त ने रिसेप्शन व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

चेयर मैन के भतीजे ने व्यापारी पर झोंका फायर, बाल-बाल बचा

पुलिस ने चार के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट, आरोपित गिरफ्तार

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में नगर पंचायत ओरन अध्यक्ष के भतीजे ने मामूली विवाद पर बिल्डिग मैटेरियल व्यापारी पर तमंचे से फायर झोंक दिया। जिससे वह बाल-बाल बच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।
बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन कस्बा निवासी प्रबल मंगलवार की रात करीब साढे ग्यारह बजे अपनी साथी अभिषेक और उत्कर्ष के साथ बिसंडा रोड स्थित सोनी चाय वाले की दुकान पर मैगी खाने गए थे। वहां पर चेयरमैन के पुत्र धीरेन्द्र, पुष्पेंद्र और उनके भतीजे देवेंद्र और नीरज पहले से मौजूद थे। प्रबल को देखते ही चारों लोगों ने उसे गाली गलौज करना शुरू कर दिया। प्रबल ने इसका विरोध करते हुए अपने बड़े भाई बिल्डिंग मैटेरियल व्यापारी कुलदीप शिवहरे को फोन पर सूचना दी। सूचना पाकर कुलदीप मौके पर पहुंच गया। दोनों के बीच विवाद और बढ़ गया। आरोपियों ने उनके साथ मार पीट की। चेयरमैन के भतीजे नीरज उर्फ गोलू ने कुलदीप पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर झोंक दिया। वह बाल-बाल बच गया। घटना से इलाके में दहशत फैल गई।
सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी नीरज उर्फ गोलू पुत्र हरिनारायण द्विवेदी को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा, पांच जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मुख्य आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि धीरेन्द्र, पुष्पेंद्र और देवेंद्र की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। बिसंडा थाना अध्यक्ष सीपी तिवारी ने बुधवार को बताया की नीरज द्विवेदी उर्फ गोलू के ऊपर जान से मारने की धारा तथा शेष आरोपियों के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद।
न्यायालय ने बुधवार को नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवन) के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।
मामला रजावली थाना क्षेत्र से जुड़ा है। 13 जून 2026 को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक 5 वर्षीय नाबालिग बालिका अपने घर के बाहर खेल रही थी तभी अधेड़ उम्र का अभियुक्त मानपाल उर्फ बहरा पुत्र नेत्रपाल निवासी बाघई 2 थाना रजावली नाबालिग को अपने साथ पास्ता दिलाने के बहाने अपने घर ले गया। अभियुक्त मानपाल उर्फ बहरा ने अपने घर पर नाबालिग पीडिता के साथ में गलत काम किया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।
पुलिस ने मामले की महज 10 दिन में त्वरित विवेचना कर अभियुक्त मानपाल उर्फ बहरा के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश प्रधान कोर्ट पॉक्सो मुमताज अली के न्यायालय में हुई। अभियोजन पक्ष की पैरवी विशेष लोक अभियोजक अवधेश भारद्वाज ने की। उन्होंने बताया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय में पेश किये गए।
विद्वान न्यायाधीश मुमताज अली ने पत्रावली पर मौजूद गवाहों की गवाही व साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त मानपाल उर्फ बहरा को दोषी पाते हुए उसे कठोर आजीवन कारावास की सजा व 20,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड न देने पर 03 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

25 हजार रुपये की रिश्वत के आरोप में घिरे दरोगा निलंबित, एसपी ने की कार्रवाई

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद अंतर्गत मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र की रिपोर्टिंग चौकी शाहगढ़ के एक गांव से जुड़े साहिल कोरी प्रकरण में 25 हजार रुपये की कथित रिश्वत मांगने के आरोप में घिरे मुंशीगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह चंदेल को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने निलंबित कर दिया है। आरोपों की जांच में पुष्टि होने के बाद एसपी ने यह कार्रवाई की है।

गोरखपुर : हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तीन युवकों की दर्दनाक मौत, सात झुलसे

गोरखपुर।
गोरखपुर जिले के चरगांवा विकासखंड अंतर्गत जंगल अयोध्या प्रसाद ग्राम पंचायत के चौहान टोले में बुधवार देर शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग झुलसकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में घायलों को उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।



हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि घायलों को समुचित उपचार हो और मृतकों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाये।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर जा रहे थे श्रद्धालु
प्राप्त जानकारी के अनुसार, जंगल अयोध्या प्रसाद ग्राम पंचायत के चौहान टोले से श्रद्धालु दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा रहे थे। इसी दौरान ट्रॉली में लगी लोहे की लंबी रॉड ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन विद्युत तार के संपर्क में आ गई। तार के संपर्क में आते ही ट्रॉली में करंट उतर गया और उसकी चपेट में आकर कई लोग झुलस गए। अचानक हुए इस हादसे से विसर्जन यात्रा में शामिल लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई।
हादसे में लकी (17), विक्की (18) और चंदन (21) गंभीर रूप से करंट की चपेट में आ गए। तीनों की मौत हो गई। मृतकों में लकी और विक्की सगे भाई थे, जबकि चंदन उनका मौसेरा भाई था। तीन युवकों की असमय मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। त्योहार की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं।

सात घायल, मेडिकल कॉलेज में चल रहा उपचार
हादसे में झुलसे सात लोगों को उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण भी मेडिकल कॉलेज पहुंचने लगे। अपनों को खोने का गम और घायलों की चिंता लेकर पहुंचे परिवारों का माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने घायलों के समुचित उपचार और पीड़ित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

खेत की जोताई करने गए किसान की गोली मारकर हत्या, ट्रैक्टर की सीट पर मिला शव; शरीर पर मिले दो निशान

बिजनौर
बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र के कैलनपुर गांव में खेत की जोताई करने गए किसान विजयपाल सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका शव ट्रैक्टर की सीट पर मिला। पुलिस हत्या की वजह तलाश रही है।
बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात खेतों की जोताई करने गए किसान विजयपाल सिंह (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कैलनपुर गांव निवासी विजयपाल शाम को ट्रैक्टर लेकर खेतों पर गए थे, लेकिन देर रात तक



घर नहीं लौटे। पत्नी के बार-बार फोन करने पर भी जवाब नहीं मिला तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।
गांव से करीब ढाई किलोमीटर दूर रामपुर नजराना जाने वाले रास्ते पर ट्रैक्टर की सीट पर उनका खून से लथपथ शव मिला। उनके शरीर पर गोलियों के दो निशान थे। सूचना मिलने पर पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

शाम को ट्रैक्टर लेकर खेतों की जुताई करने निकले थे
कैलनपुर गांव निवासी विजयपाल सिंह पुत्र रोहताश किसान थे। वह अपनी मां और पत्नी गीता के साथ रहते थे। उनके पास करीब 45 बीघा जमीन बताई गई है। बुधवार शाम करीब चार बजे वह ट्रैक्टर लेकर खेतों की जोताई करने के लिए घर से निकले थे। परिजनों को उम्मीद थी कि खेतों का काम पूरा करने के बाद वह घर लौट आएंगे।

नोएडा में विभिन्न सड़क हादसों में ट्रक चालक समेत चार लोगों की मौत

नोएडा
नोएडा के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में एक अज्ञात व्यक्ति समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर पलवल से कासना की तरफ जा रहे एक ट्रक से बीती रात राजस्थान नंबर के ट्रक की टक्कर हो गई। इस घटना मे राजस्थान नंबर के ट्रक चालक फखरुद्दीन (36) पुत्र जूम्मो निवासी जनपद अलवर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।
थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 59 के पास योगेंद्र कुमार राय (25) पुत्र ब्रिज किशोर मूलनिवासी जनपद कानपुर अपने दोस्त के साथ सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दिया।

शिवा शर्मा हत्याकांड: नागपुर से गिरफ्तार श्रद्धा दुबे, बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश को लेकर लखनऊ पहुंची पुलिस

लखनऊ
मॉडल श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और उनके ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश को पुलिस लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली लेकर पहुंची। तीनों को कोतवाली लाए जाने के बाद मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।
कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में नागपुर से गिरफ्तार मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश को पुलिस बुधवार को लेकर लखनऊ पहुंची। तीनों को



हजरतगंज कोतवाली लाया गया। जहां उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। मेडिकल जांच के बाद तीनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोतवाली में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। बता दें कि पुलिस, उत्तर प्रदेश एसटीएफ और नागपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार को तीनों को गिरफ्तार किया गया था। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।
पुलिस ने बुधवार को तीनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड के लिए नागपुर कोर्ट में पेश किया। रिमांड मिलने के बाद पुलिस उन्हें लेकर लखनऊ रवाना हुई थी। कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में हजरतगंज थाने में श्रद्धा, रश्मि, दानिश, आदिल और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।
पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराया गया था। उनकी लगातार बदलती लोकेशन के कारण गिरफ्तारी चुनौती बन गई थी। इसके बाद तलाश में यूपी एसटीएफ को भी लगाया गया। सोमवार रात आरोपियों की लोकेशन नागपुर की तरफ मिलने पर टीमें वहां रवाना हुईं थी।

दस दिनों तक पुलिस को देती रही चकमा
पुलिस के अनुसार, श्रद्धा अपनी बहन और ड्राइवर के साथ करीब 2,200 किलोमीटर का सफर तय कर कई होटलों और लॉज में ठहरी थी। बताया गया है कि पुलिस की टीम किसी ठिकाने पर पहुंचती, उससे कुछ घंटे पहले ही तीनों वहां से निकल जाते थे। पुलिस को ऐसे कई ठिकानों की जानकारी मिली, जहां आरोपियों के पहुंचने और निकलने के बाद टीमें तलाश में पहुंचीं।
शिवा शर्मा की मौत के बाद श्रद्धा, रश्मि और दानिश के नेपाल भागने की आशंका भी जताई गई थी।



आपकी तैयारी हमारा साथ

'अगर छात्र यह जान ले कि वह जो पढ़ रहा है, उससे आगे वह किस दिशा में जाएगा, तो लगभग 65 प्रतिशत छात्र बिना किसी शंका के अपने भविष्य का खाका बुन सकते हैं।' अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा का यह कथन शतप्रतिशत सही है। अब वो वक्त आ गया है, जब बारहवीं के छात्रों को इस कथन पर अमल करना चाहिए। परीक्षाओं की तैयारी इस ओर पहला कदम है।

शिक्षा और करियर का चोली-दामन का साथ है। आप अपने लिए किस तरह की जिंदगी की रचना कर रहे हैं या अपने लिए क्या चाहते हैं, इसका उत्तर अब तक आपको मिल जाना चाहिए। ग्यारहवीं में आप स्कूल में जिन विषयों को चुनते हैं और बोर्ड एग्जाम में शिरकत करते हैं, उनसे तय होता है कि आप आगे किस ओर बढ़ रहे हैं। बोर्ड एग्जाम हव्वा नहीं है, पर अहम है। इन परीक्षाओं को ले कर आपको डरने की जरूरत नहीं है। अगर आप आज से ही जुट जाएंगे और समय-समय पर अपने अध्यापकों से अपनी शंकाओं का समाधान करते जाएंगे, तो आप बड़ी आसानी से एग्जाम की वैतरणी पार कर सकते हैं। शिक्षाविद् और आईआईटी, मुंबई से शिक्षित डॉक्टर सलीम शीशावाला कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने कुछ समय पहले यूनिवर्सिटी में अपने प्रजेंटेशन के दौरान कहा था--अब वक्त आ गया है कि छात्रों को अपने बने-बनाए ढर्रे से बाहर निकल कर नया सोचना चाहिए। वे सिर्फ मैथ्स, साइंस, इकोनॉमिक्स, लेंग्वेज और कॉमर्स के बारे में ना सोचें, बल्कि यह देखें कि वे आज जो पढ़ रहे हैं और कॉलेज में पढ़ना चाहते हैं, क्या वे उसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं? डॉक्टर सलीम ने कई मोटिवेशनल किताबें भी लिखी हैं। इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने कुछ समय एक कारखाने में काम किया था। वहीं जा कर उन्हें लगा कि छात्र जीवन में उन्हें मशीनों से प्यार करना नहीं सिखाया गया और उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि नौकरी और शिक्षा में कितना ज्यादा फासला है।

बारहवीं की परीक्षा और उसका परिणाम आपकी जिंदगी को, भविष्य को और करियर को एक दिशा देता है। यह वक्त है अपनी समझ और काबिलियत के हिसाब से परीक्षाओं की तैयारी में पूरी तरह जुट जाने का। बारहवीं के बाद कॉलेज की पढ़ाई बहुत-कुछ आपके बोर्ड परीक्षाओं के नंबरों पर निर्भर करती है। अगर आप अब तक अपनी पढ़ाई को ले कर गंभीर नहीं हुए हैं, तो अब हो जाएं। बोर्ड एग्जाम तक हर सप्ताह नई दिशाएं आपको विभिन्न विषयों की तैयारी के अलावा परीक्षा से जुड़ी दूसरी तमाम बातों को लेकर आपकी शंकाओं को दूर करेगी।

जेनेटिक इंजीनियरिंग में करियर की संभावनाएं

जेनेटिक इंजीनियरिंग में एम-टेक या जेनेटिक्स में एमएससी की प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए छात्र को लाइफ साइंस, इंजीनियरिंग, एमबीबीएस या बीडीएस जैसे विषयों में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक होना चाहिए। कई विश्वविद्यालयों में जेनेटिक इंजीनियरिंग एमएससी इन बायोटेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन के तौर पर कराई जाती है, जिसमें पुणे यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी शामिल हैं। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दो सालों के एमएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स के लिए कंबाइंड एंट्रेस टेस्ट लेती है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग मेडिकल क्षेत्र से काफी हद तक जुड़ी है, इसलिए छात्रों के लिए मानव स्वास्थ्य को समझना भी बेहद जरूरी हो जाता है। बारहवीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी से उत्तीर्ण छात्र लाइफ साइंस या बायोटेक्नोलॉजी से बीएससी करके मास्टर्स लेवल में विषय के रूप में जेनेटिक्स चुन सकते हैं।

गावों के विकास में हाथ बंटाकर बनाएं कॅरियर

भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है।

आजकल राज्य सरकारें ही नहीं भारत सरकार भी ग्रामीण विकास पर पूरा ध्यान दे रही है। भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है। खास बात ये है कि यह पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किया जाता है। ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए उम्मीदवार का स्नातक होना अनिवार्य है। लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बारहवीं कक्षा में भी इसे मान्यता दी है। वहीं अन्नामलाई विश्वविद्यालय ने स्नातक के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्ष का कार्य अनुभव भी दाखिले के वक्त अनिवार्य तौर पर रखा है।

ग्रामीण विकास में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक से तीन वर्ष तक का पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम का माध्यम केवल हिन्दी और अंग्रेजी ही हैं। इन संस्थानों से ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लिया जा सकता है-

- कर्नाटक स्टेट मुक्त विश्वविद्यालय, मनसागंगोत्री, मैसूर- 570006
- अन्नामलाई विश्वविद्यालय, डायरेक्टरेट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन, अन्नामलाई नगर- 608002
- ककातीय विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ डिस्टेन्स लर्निंग एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन, वारंगल- 506009
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068
- सेंटर फॉर डिस्टेंस एजुकेशन, एमवीपुरम, अनन्तपुर-515003





फॉरेंसिक साइंस तहकीकात की कला

अपराध की गुत्थियां सुलझाने में फॉरेंसिक साइंस काफी मददगार साबित होती है। इसकी पढ़ाई के बाद देश ही नहीं, विदेश में भी रोजगार के अवसर मिलते हैं।

फॉरेंसिक साइंस एक ऐसा विज्ञान है, जिसमें अपराधों की जांच-पड़ताल में वैज्ञानिक सिद्धांतों का इस्तेमाल किया जाता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट मौके पर जाकर कई तरह के वल्यू जैसे फिंगर प्रिंट, ब्लड सैंपल व साक्ष्य आदि जुटाते हैं। अन्य कई तरह की जांच में भी इनका अहम योगदान रहता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट से इनपुट लेकर ही इनवेस्टिगेटिंग ऑफिसर अदालत के समक्ष हाजिर होता है। इसके अंतर्गत घटनास्थल से लेकर केस से जुड़े एक-एक तथ्य को बारीकी से जांचा जाता है।

कोर्स से जुड़ी जानकारी

फॉरेंसिक साइंस को लेकर आजकल तीन तरह के कोर्स संचालित हो रहे हैं। पहला सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसमें फॉरेंसिक साइंस के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रारम्भिक स्तर का ज्ञान दिया जाता है। साथ ही भौतिकी, केमिस्ट्री, टैक्सिकोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, मनोविज्ञान व मेडिसिन के बारे में जानकारी दी जाती है। दूसरा कोर्स स्नातक स्तर का बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस होता है। तीन वर्षीय इस कोर्स में विभिन्न बिन्दुओं के अलावा सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा में पढ़ाए विषयों को विस्तार के साथ बताया जाता है। इसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों समान रूप से चलते हैं। पीजी लेवल पर पहले सेमेस्टर में क्रिमिनल लॉ, क्राइम सीन मैनेजमेंट, स्केचिंग सहित कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाता है, जबकि दूसरे सेमेस्टर में हैंडराइटिंग परीक्षण के अलावा सेरोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि पर ज्ञान बढ़ाया जाता है।

इस रूप में मिलेगा काम

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के पश्चात निम्न रूप में अवसर सामने आते है-

फॉरेंसिक पैथोलॉजिस्ट- इससे संबंधित प्रोफेशनल्स मर्डर अथवा संदेहात्मक परिस्थितियों में हुई मौत के समय का आकलन करते हैं।

फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट- एंथ्रोपोलॉजी में पीएचडी अथवा फॉरेंसिक साइंस में उच्च योग्यता हासिल करने के पश्चात फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है। ये किसी बड़े हादसे जैसे अग्निकाण्ड, प्लेन क्रैश होने, विस्फोट आदि में मृत लोगों की पहचान अथवा उनके बारे में विवरण जुटाते है।

फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट- साइकोलॉजी में स्नातक अथवा मास्टर डिग्री हासिल करने वाले छात्र फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट का काम कर सकते हैं। ये किसी भी मामले से संबंधित फैक्ट जुटाने का काम करते हैं।

क्लीनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन एक्सपर्ट- मेडिकल के क्षेत्र में डिग्री अथवा पीजी डिप्लोमा करने वाले छात्र यह काम कर सकते हैं। ये किसी भी हादसे में घायल लोगों का उपचार करते हैं।

फॉरेंसिक सीरोलॉजी एक्सपर्ट- इनका काम किसी व्यक्ति के ब्लड ग्रुप, डीएनए टेस्ट आदि से संबंधित होता है। ये उसका आकलन करने से लेकर पहचान तक का कार्य करते हैं।

फॉरेंसिक केमिस्ट- वे छात्र, जिनके पास साइंस की डिग्री हो और जिन्होंने फॉरेंसिक केमिस्ट्री में स्पेशलाइजेशन किया हो, वे फॉरेंसिक केमिस्ट के रूप में जॉब कर सकते हैं। इनका कार्य संदेहात्मक परिस्थितियों में ड्रग आदि की जांच करने से संबंधित होता है।

लैंग्वेज एक्सपर्ट/टैक्सिकोलॉजिस्ट- ये किसी कोड अथवा विदेशी भाषा से जुड़ा संशय दूर करते हैं। कई बार अपराधी ऐसी कोड भाषा का प्रयोग करते हैं, जिसे सामान्य आदमी नहीं समझ पाता। लैंग्वेज एक्सपर्ट उसे सुलझाने अथवा समझने में मदद करते हैं। टैक्सिकोलॉजिस्ट के रूप में केमिस्ट्री अथवा बायोकेमिस्ट्री स्ट्रीम के छात्र पुलिस को सहायता पहुंचाते हैं।

शैक्षिक योग्यता

फॉरेंसिक साइंस से संबंधित ज्यादातर कोर्स स्नातक एवं परास्नातक लेवल के हैं। इसके लिए वही छात्र आवेदन कर सकते है, जिन्होंने विज्ञान विषय के साथ 10+2 किया हो, जबकि एमएससी एवं पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए बीएससी होना जरूरी है। मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद एमफिल एवं पीएचडी कोर्स में दाखिला मिलता है।

आवश्यक स्किल्स

एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट को आंख व कान दोनों खुले रखने होते हैं। सामाजिक परिवेश व तथ्यों का खेल होने के कारण इसमें मनोविज्ञान की समझ आवश्यक है। इसके लिए एनालिटिकल स्किल्स व साइकेट्रिस्ट का गुण भी काफी काम आता है। खोजी मानसिकता, धैर्यवान तथा साहसिक गुण वाले युवा इसमें काफी तरक्की करते हैं।

सेलरी

युवाओं के लिए फॉरेंसिक साइंस उच्च सेलरी वाला आकर्षक प्रोफेशन है। सरकारी विभागों में सेलरी काफी कुछ पे स्केल पर निर्भर करती है, जबकि प्राइवेट जॉब में यह काम के स्वरूप एवं कंपनी पर आधारित होता है। आमतौर पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट के रूप में जॉब ज्वॉइन करने पर 25-30 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव व जिम्मेदारी बढ़ने पर सेलरी भी बढ़ती जाती है।

एजुकेशन लोन/स्कॉलरशिप

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के लिए कई तरह की स्कॉलरशिप अथवा एजुकेशन लोन दिए जाते हैं। देश-विदेश में अध्ययन के लिए एजुकेशन लोन की राशि व प्रावधान बैंक पर निर्भर करता है, जबकि अधिकांश स्कॉलरशिप मेरिट के आधार पर मिलती है।

फीस व खर्च

भारत में फॉरेंसिक साइंस का स्पेशलाइज कोर्स करने के लिए करीब 2-3 लाख रुपए का खर्च आता है। कई बार फीस की राशि संस्थान की रेटिंग पर निर्भर करती है। हालांकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस की राशि काफी कम होती है। आरक्षित समूह में आने वाले छात्रों को फीस के रूप में भारी छूट मिलती है।

रोजगार की संभावनाएं

यह ऐसा प्रोफेशन है, जिसमें समय के साथ डिमांड बढ़ती जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य दोनों ही स्तरों पर अवसर मिलता है। सरकारी जांच एजेंसियों के अलावा प्राइवेट एजेंसी भी काम दे रही है। विधि व अन्य संस्थानों में टीचिंग का चलन भी बढ़ा है। कुछ क्षेत्र निम्न हैं- सीबीआई व आईबी, सरकारी अपराध प्रयोगशाला, निजी चैनल, पुलिस प्रशासन के प्रमुख विभाग, न्यायिक एजेंसी, भारतीय सेना, प्राइवेट डिटेक्टिव कंपनी, रिसर्च एनालिसिस विंग और फीलासिंग।

विदेशों में भी अवसर

देश के साथ विदेश में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देश भारी संख्या में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की डिमांड करते हैं। विदेश में ज्यादातर संभावनाएं मेडिकल एग्जामिनर, क्राइम लेबोरेटरी एनालिस्ट, क्राइम स्कैन एग्जामिनर, फॉरेंसिक इंजीनियर व लैंग्वेज एक्सपर्ट के रूप में मिलती हैं।

कायमगंज में अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत, भतीजा घायल

- दूध लेने जा रहे चाचा-भतीजे के ई-रिक्शा को मीरपुर गांव के पास वाहन ने मारी टक्कर, तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

यूथ इंडिया, कायमगंज



कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में फर्रुखाबाद मार्ग पर मीरपुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने ई-रिक्शा चालक को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, कायमगंज क्षेत्र के मदारपुर गांव निवासी 50 वर्षीय सोबरन अपने भतीजे सत्यम को ई-रिक्शा पर बैठाकर शमशाबाद थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव में दूध लेने जा रहे थे। बताया जाता है कि जब वे कायमगंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर टेढ़ीकोन से आगे मीरपुर गांव के सामने पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनके ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा सवार सोबरन और सत्यम दोनों घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

हादसे के बाद घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर विपिन ने सोबरन को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल सत्यम का उपचार किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

सोबरन की मौत की खबर मिलते ही उनकी पत्नी पिंकी सहित परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल पहुंच गए। पति की मौत से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार के लोगों की चीख-पुकार से अस्पताल परिसर का माहौल गमगीन हो गया। मृतक अपने परिवार का भरण-पोषण ई-रिक्शा चलाकर करते थे। उनके परिवार में सात वर्षीय बेटी आशिकी, पांच वर्षीय बेटा हर्षित और तीन वर्षीय बेटी वर्षा है। पिता की अचानक मौत से तीनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया।

हादसे के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की जानकारी जुटाने और दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। वहीं, सोबरन की मौत से मदारपुर गांव में शोक का माहौल है। परिवार के सामने अब तीन छोटे बच्चों के पालन-पोषण की चिंता भी खड़ी हो गई है।

एल्विस हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत पर बवाल, अस्पताल संचालक शव छोड़कर फरार

- परिजनों ने बाईपास पर जाम लगाकर किया हंगामा
- पुलिस की कार्रवाई से मौके पर तनाव

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



मऊ दरवाजा थाना क्षेत्र स्थित बाईपास पर एल्विस हॉस्पिटल में एक प्रसूता की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल संचालक शव को बाहर निकलवाकर मौके से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एल्विस हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान अथवा उपचार के दौरान प्रसूता की मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया जाने लगा।

परिजनों का आरोप है कि प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल संचालक शव को बाहर निकलवाकर मौके से फरार हो गया। इस घटनाक्रम के बाद परिजनों का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने तथा मौत के कारणों की जांच कराने की मांग की।

सड़क जाम और हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति नियंत्रित करने के दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे परिजनों को हटाया। आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया और कई परिजनों को हिरासत में ले लिया। घटना के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही।

प्रसूता की मौत के मामले में उपचार के दौरान बरती गई सावधानियों, चिकित्सकीय व्यवस्था और अस्पताल की भूमिका की जांच महत्वपूर्ण है। यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि महिला को किस स्थिति में अस्पताल लाया गया था, उपचार किस चिकित्सक ने किया और मौत का वास्तविक कारण क्या रहा।

खेत जोतने का विरोध करने पर किसान से मारपीट

फर्रुखाबाद। खेत जोतने का विरोध करने पर एक किसान के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के राजा नगला निवासी राजीव सिंह उर्फ राजू पुत्र जयनारायण सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि जितेंद्र उर्फ करू पुत्र मानसिंह निवासी ग्राम बिंजी, थाना कमालगंज तथा दो अन्य नामजद लोगों और एक अज्ञात व्यक्ति ने उनका खेत जोत लिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत के आधार पर कोतवाली फतेहगढ़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गाली-गलौज के बाद मारपीट

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम बडनपुर में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बडनपुर निवासी विजयपाल सिंह पुत्र रामबहादुर ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के ही सुरेंद्र पुत्र रामेश्वर सिंह सहित चार लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना मोहम्मदाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गाली-गलौज के बाद दंपती से मारपीट, तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना कायमगंज क्षेत्र के ग्राम नगला भू मई रशीदपुर में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि विवाद के दौरान एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी के साथ भी घर में घुसकर मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, गांव निवासी राजीव कुमार पुत्र किशनपाल ने आरोप लगाया कि रामवीर पुत्र हाकिम सिंह निवासी नगला भू मई रशीदपुर तथा दो अन्य लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

एमएलसी चुनाव की तैयारियों का डीएम-एसपी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



विधान परिषद सदस्य निर्वाचन को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और डीएम डॉ अंकुर लाठर सहित एसपी आरती सिंह ने तैयारियों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज, फतेहगढ़ में निर्वाचन सामग्री वितरण प्रक्रिया का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्वाचन सामग्री वितरण की व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, निर्धारित नियमों का पालन कराने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।प्रशासन का उद्देश्य विधान परिषद सदस्य निर्वाचन को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है।

गैंगस्टर बदन सिंह बद्दो के बेटे सिकंदर पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित

- पुलिस कस्टडी से फरार बद्दो का छह साल से सुराग नहीं
- डीआईजी ने सिकंदर समेत 9 आरोपियों पर घोषित किया इनाम

यूथ इंडिया, मेरठ



फरार गैंगस्टर बदन सिंह बद्दो और उसके बेटे सिकंदर की तलाश तेज करने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की है। बद्दो के बेटे सिकंदर पर भी 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। जानकारी के अनुसार, डीआईजी ने सिकंदर समेत 9 लोगों पर इनाम घोषित किया है।

बदन सिंह बद्दो प्रदेश के चर्चित गैंगस्टरों में शामिल है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित बताया गया है। वर्ष 2019 में पुलिस अभिरक्षा से फरार होने के बाद से उसका कोई पुख्ता सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार प्रयास कर रही है।

पुलिस की कार्रवाई अब बद्दो के बेटे सिकंदर तक पहुंच गई है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस का उद्देश्य फरार आरोपियों के बारे में सूचना जुटाना और उन्हें गिरफ्तार करना है।

मिली जानकारी के अनुसार, बद्दो और सिकंदर के खिलाफ वर्ष 2019 से रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने की बात कही जा रही है। रेड कॉर्नर नोटिस के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंधित व्यक्ति की तलाश और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में सहयोग मांगा जाता है।

सिकंदर समेत 9 लोगों पर इनाम घोषित किए जाने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और बद्दो के ठिकाने का पता लगाने के लिए आगे क्या कदम उठाए जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

कमालगंज की ऐतिहासिक रामलीला में कुंभकरण और मेघनाद वध का सजीव मंचन, जय श्रीराम से गूंजा पंडाल

यूथ इंडिया, कमालगंज



कस्बा कमालगंज में चल रही ऐतिहासिक रामलीला में बुधवार रात युद्ध के दो सबसे महत्वपूर्ण प्रसंगों - कुंभकरण वध और मेघनाद वध का सजीव मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय से रामायण काल के युद्ध दृश्यों को जीवंत कर दिया, जिसे देख दर्शक भावविभोर हो गए।

लीला मंचन के दौरान जैसे ही रावण के आदेश पर विशालकाय कुंभकरण युद्धभूमि में पहुंचा, पंडाल में सन्नाटा छा गया। कुंभकरण के विराट स्वरूप को देख श्रीराम की वानर सेना में हलचल मच गई। इसके बाद भगवान श्रीराम और कुंभकरण के बीच भीषण युद्ध का मंचन हुआ। अंत में श्रीराम ने अपने बाणों से कुंभकरण का वध कर अधर्म के प्रतीक का अंत किया। पूरे प्रसंग के दौरान दर्शकों ने जय श्रीराम के उद्घोष से पंडाल को गुंजायमान कर दिया।

कुंभकरण वध के पश्चात रावण पुत्र मेघनाद अपनी मायावी शक्तियों के साथ युद्ध मैदान में उतरा। मेघनाद और लक्ष्मण के बीच घमासान युद्ध का दृश्य दर्शकों को बांधे रहा। मायावी शक्तियों का प्रयोग करते हुए मेघनाद ने लक्ष्मण को चुनौती दी, लेकिन लक्ष्मण ने अदम्य पराक्रम दिखाते हुए मेघनाद का वध कर दिया। इस लीला के माध्यम से अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश दिया गया।

रामलीला देखने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने देर रात तक लीला का आनंद लिया।

रामलीला समिति के अनुसार अब गुरुवार को रावण दहन की मुख्य लीला का मंचन किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

राशन की कालाबाजारी के आरोप में कोटेदार का अनुबंध निरस्त, मां बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

सरकारी राशन की कालाबाजारी के आरोप में जिला पूर्ति अधिकारी ने ब्लॉक नवाबगंज की ग्राम पंचायत पिलखना की उचित दर विक्रेता श्रीमती रूपा देवी की निलंबित राशन दुकान का अनुबंध पत्र निरस्त कर दिया है। वहीं, इस मामले में रूपा देवी और उनके पुत्र विजय सिंह के खिलाफ थाना मेरापुर में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उचित दर विक्रेता रूपा देवी की राशन दुकान पहले से निलंबित थी। विभागीय कार्रवाई के दौरान उनसे निलंबन आदेश में लगाए गए आरोपों के संबंध में साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण मांगा गया था। साथ ही, संबंधित उचित दर विक्रेता सत्यपाल को अवशेष खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने के संबंध में भी जानकारी अपेक्षित थी। लेकिन आरोपों के संबंध में निर्धारित साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कराया गया।

विभागीय स्तर पर की गई कार्रवाई के बाद जिला पूर्ति अधिकारी ने निलंबित राशन दुकान का अनुबंध पत्र निरस्त कर दिया। कोटेदार पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आवंटित खाद्यान्न की कालाबाजारी करने का आरोप है। आरोप के मुताबिक, कुल 50.48 कुंतल चावल, 14 कुंतल बाजरा और 33 किलो शक्कर का दुरुपयोग किया गया।

एमएलसी चुनाव के मतदान की तैयारी पूरी, 23 अक्टूबर को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक होगा मतदान

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 22 अक्टूबर को मतदान पार्टियां राजकीय इंटर कॉलेज बालक, फतेहगढ़ से अपने-अपने निर्धारित मतदान स्थलों के लिए रवाना होंगी। मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

निर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय, कलेक्ट्रेट, फतेहगढ़ में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी, नवाबगंज अनूप सिंह राना को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मतदान से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा समस्या की सूचना देने के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 05692-234271 जारी किया गया है। मतदाता और संबंधित लोग इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

संकिसा बौद्ध स्तूप परिसर में भिक्षुओं के बीच मारपीट, मुंडन में मिले पैसों के बंटवारे पर विवाद

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में मेरापुर थाना क्षेत्र स्थित संकिसा बौद्ध स्तूप परिसर में बौद्ध भिक्षुओं के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मुंडन संस्कार के दौरान मिले पैसों के बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पैसों के बंटवारे को लेकर बौद्ध भिक्षुओं के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटनास्थल से सामने आए घटनाक्रम के मुताबिक, कुछ भिक्षु एक-दूसरे को जमीन पर गिराकर पीटते दिखाई दिए। परिसर में हुई इस घटना से वहां मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई।

प्रारंभिक जानकारी में विवाद की वजह मुंडन संस्कार के दौरान प्राप्त धनराशि का बंटवारा बताई जा रही है। हालांकि, विवाद में शामिल लोगों की पहचान, मारपीट की शुरुआत और घटना के अन्य पहलुओं की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

घटना संकिसा बौद्ध स्तूप परिसर की बताई जा रही है। पुलिस की ओर से कार्रवाई, घायलों की संख्या और किसी की गिरफ्तारी के संबंध में आधिकारिक जानकारी उपलब्ध होने पर मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

मिशन शक्ति अभियान में साइबर ठगी से बचाव के बताए तरीके, छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों ने महिलाओं, बालिकाओं और छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर सुरक्षा सलाहकार रक्षित टंडन द्वारा वर्चुअल माध्यम से छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, फर्जी वेबसाइट और लिंक, सोशल मीडिया खाते हैक करने, साइबर बुलिंग, डिजिटल अरेस्ट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए होने वाले साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने लोगों को ओटीपी और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध कॉल, संदेश और लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी। महिलाओं एवं बालिकाओं को विधवा पेंशन, मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, बाल कल्याण योजनाओं और बाल मजदूरी रोकने के संबंध में भी जानकारी दी गई। जागरूकता के लिए पर्चे वितरित किए गए और जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने की अपील की गई।

पुलिस ने महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 और एंबुलेंस सेवा 108 की जानकारी दी। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करने अथवा आधिकारिक वेबसाइट https://cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट दर्ज कराने की अपील की गई।

ढाईघाट मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से दो घायल, हालत गंभीर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

शमशाबाद-ढाई घाट मार्ग पर अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। पहले तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद घबराए चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और एक दिव्यांग की ट्राईसाइकिल को भी टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद पहुंचाया। एक घायल की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिलावरगंज अजीजाबाद निवासी 25 वर्षीय धर्मेंद्र, महावीर का भतीजा, ढाई घाट से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहा था। बताया जाता है कि वह शमशाबाद-ढाई घाट मार्ग पर पुल के पास पहुंचा ही था कि इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से धर्मेंद्र घायल हो गया। बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर चालक घबरा गया। इसी दौरान वाहन पर उसका नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रैक्टर-ट्राली ने इस्लामनगर निवासी दिव्यांग राजू की ट्राईसाइकिल को भी टक्कर मार दी। इस दूसरी टक्कर में राजू भी घायल हो गया। हादसे के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने दोनों का उपचार शुरू किया। मिली जानकारी के मुताबिक, एक घायल का उपचार सीएचसी शमशाबाद में जारी था, जबकि दूसरे की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में सड़क पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों के संचालन को लेकर नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि सड़क पर लापरवाही से वाहन चलाने के कारण राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

कंपिल के दंगल में भारत केसरी रामेश्वर यादव और हरेंद्र गुर्जर की कुश्ती बराबरी पर छूटी

यूथ इंडिया, कंपिल (फर्रुखाबाद)



अखाड़े में नामी पहलवानों की जोर-आजमाइश, दांव-पेच का रोमांच और हर मुकाबले पर तालियां बजाते दर्शक। रावण वध के अगले दिन कंपिल बाईपास पर सजे पारंपरिक दंगल में पहलवानों ने अपने दमखम का प्रदर्शन किया। सबसे बड़े मुकाबले में मथुरा के भारत केसरी रामेश्वर सिंह यादव और हरेंद्र सिंह गुर्जर के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को चित करने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सका। आखिरकार मुकाबला बराबरी पर छूटा और 1 लाख 21 हजार रुपये की इनामी राशि दोनों पहलवानों में बराबर बांट दी गई। रामलीला कमेटी और ज्ञान डेयरी के सौजन्य से आयोजित दंगल में कुल 27 कुश्तियां हुईं। हालांकि, बड़े आयोजन के बीच पुलिस व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे।

दंगल का शुभारंभ उद्योगपति सत्यप्रकाश अग्रवाल, भाजपा नेता विकास शर्मा, समाजसेवी पुखराज डागा, पूर्व चेयरमैन उदयपाल सिंह यादव और रामलीला कमेटी के अध्यक्ष नीरज पाण्डेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद पहलवानों के हाथ मिलवाकर मुकाबलों की शुरुआत कराई गई।

प्रथम सेले की मुख्य कुश्ती कायमगंज के एसडीएम अतुल कुमार ने अखाड़े में पहुंचकर दोनों पहलवानों के हाथ मिलवाकर शुरू कराई। दंगल के दूसरे सेले में हाथरस के अरविंद यादव और हरियाणा के रोहतक निवासी इंडिया आर्मी के पहलवान आशीष आमने-सामने आए। दोनों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ, जिसमें अरविंद यादव ने जीत दर्ज कर एक लाख रुपये की इनामी कुश्ती अपने नाम की। तीसरे सेले में राजेश पहलवान ने हरियाणा के रॉकी पहलवान को हराकर 51 हजार रुपये की कुश्ती जीती। चौथे सेले में आगरा के सुरेश पहलवान और दिल्ली के रमन चौधरी के बीच 41 हजार रुपये की कुश्ती हुई।

कड़े संघर्ष के बाद दोनों पहलवानों का मुकाबला बराबरी पर छूटा। पांचवें सेले में दिल्ली केसरी रिंकू पहलवान और राजस्थान केसरी मोना पहलवान के बीच 21 हजार रुपये की कुश्ती भी बराबरी पर समाप्त हुई। दंगल में जिले और आसपास के क्षेत्रों से आए पहलवानों के बीच भी मुकाबले हुए। फर्रुखाबाद के जीतू यादव ने जीत दर्ज की। मोहम्मदाबाद के राहुल की 11 हजार रुपये की कुश्ती भी चर्चा में रही। वहीं, जैथरा के भूरे और अलीगंज के भूरे पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। पूरे आयोजन में अलग-अलग भार वर्गों और इनामी मुकाबलों को मिलाकर कुल 27 कुश्तियां कराई गईं।

इस दौरान आर्येंद्र यादव,राघव शुक्ला, सौरभ मिश्रा, राजेश कठेरिया ,ऋषभ गुप्ता, रामेत वर्मा, ओम शक्ति सैनी , चमन दुबे , सुरेंद्र सैनी आदि रामलीला कमेटी से जुड़े लोग उपस्थित और सैकड़ों की तादाद में दर्शक मौजूद रहे।

रामेश्वर यादव का कंपिल के दंगल से पुराना नाता

भारत केसरी रामेश्वर यादव का कंपिल के दंगल से पुराना जुड़ाव रहा है। वर्ष 2017 में उन्होंने दिल्ली के सलीम कुरैशी को पटखनी देकर एक लाख रुपये की कुश्ती जीती थी। वर्ष 2019 और 2021 में उनके सामने कोई पहलवान मुकाबले के लिए आगे नहीं आया। वर्ष 2023 में हरिओम पहलवान के साथ उनकी कुश्ती बराबरी पर छूटी थी। वहीं, वर्ष 2025 में उन्होंने पंजाब के नामी पहलवान शमशेर को हराकर 1 लाख 1 हजार रुपये की नकद राशि और पल्सर बाइक का इनाम जीता था। इस बार भी रामेश्वर यादव ने अपने अनुभव और दमखम का प्रदर्शन किया, लेकिन हरेंद्र सिंह गुर्जर के साथ उनकी कुश्ती बराबरी पर समाप्त हुई।